सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 297 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 10 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

12 अगस्त को पेश हो सकता है एफसीआरए बिल

नई दिल्ली। मोदी सरकार 12 अगस्त, 2026 (बुधवार) को फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन (अमेंडमेंट) (एफसीआरए) बिल, 2026 संसद में पेश कर सकती है। यह बिल खुद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहले लोकसभा में पेश कर सकते हैं, जिनके सदन में नहीं आने को लेकर पूरे मानसून सत्र में विपक्ष हंगामा करता रहा है और सदन की कार्यवाही सामान्य ढंग से नहीं चल पाई है। पहले ऐसी खबरें थीं कि हो सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार 2029 के लोकसभा चुनावों में महिलाओं को 33 प्रतिशत कोटा सुनिश्चित करने के लिए पहले परिसीमन बिल को प्राथमिकता दे।

झारखंड विधानसभा के पास पहुंचे छात्रों पर लाठी चार्ज

रांची। झारखंड के रांची में जेपीएससी-जेएसएससी में धांधली के खिलाफ हजारों की संख्या में छात्र विधानसभा के करीब पहुंच गए हैं। वहीं, धरना शुरू कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। छात्रों की ओर से पानी की बोतल और चप्पलें फेंकी गई हैं। पुलिस प्रदर्शनकारियों को कंटीले तार की बैरिकेडिंग और वाटर कैनन से रोकने की कोशिश की तो छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर डांस करते नजर आए। विधानसभा को चारों तरफ से 6 लेयर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। वहीं, 9 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे देवेंद्रनाथ महतो एंबुलेंस से विधानसभा मार्च में शामिल हुए। इस बीच भाजपा विधायक भी छात्रों के समर्थन में सीएम हाउस के सामने धरने पर बैठे, जिन्हें बाद में पुलिस ने वहां से हटा दिया। छात्र झारखंड पीएससी-एसएससी की परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर 17 दिन से आंदोलन कर रहे हैं। 6 छात्र भूख हड़ताल पर हैं।

जंतर-मंतर लाठी चार्ज पर कल संसद में जवाब देंगे शाह

नई दिल्ली। गृहमंत्री अमित शाह दिल्ली में छात्र प्रदर्शनकारियों पर पुलिस एक्शन मामले पर सदन में जवाब देंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने विपक्ष से गृहमंत्री का भाषण सुनने और हंगामा न करने की अपील की। हालांकि शाह कब बोलेंगे, सरकार ने इसकी जानकारी नहीं दी है। दिल्ली में 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान छात्रों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। उसी दिन संसद के मानसून सत्र का पहला दिन भी था।

स्वागतेय नवाचार : भारतीय रेल ने पैंसजर कोच में लगाया सोलर पैनल, इसी से चार्ज होगी कोच की बैटरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारतीय रेल ने पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा बचत की दिशा में नई पहल की है। रेलवे ने सोलर-असिस्टेड यात्री कोच तैयार किया गया है। इस कोच की छत पर सोलर पैनल लगाए गए हैं, जो सूर्य की रोशनी से बिजली बनाकर कोच की बैटरी को चार्ज करने में मदद करेंगे। इससे पारंपरिक तरीके से बिजली बनाने पर निर्भरता कम होगी।

सामान्य आईसीएफ यात्री कोच में बिजली बनाने के लिए कोच के पहियों से जुड़े अल्टरनेटर का इस्तेमाल होता है। ट्रेन चलने के दौरान पहियों की गति से अल्टरनेटर बिजली बनाता है। इस बिजली से कोच में रोशनी, पंखे और मोबाइल चार्जिंग जैसी सुविधाएं चलती हैं। यह व्यवस्था ट्रेन की गति पर निर्भर रहती है।

पायलट आधार पर तैयार सोलर असिस्टेड कोच की छत पर करीब 7 किलोवाट-पीक क्षमता का रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाया गया है। दिन में सूर्य की रोशनी से बनने वाली बिजली कोच की बैटरी चार्ज करने में मदद करेगी। इससे पारंपरिक बिजली उत्पादन व्यवस्था पर दबाव कम होगा और कोच की विद्युत सुविधाएं अधिक भरोसेमंद बनाने में मदद मिलेगी।

रेलवे के अनुसार, इस सोलर सिस्टम से एक कोच में सालाना करीब 13,400 यूनिट स्वच्छ बिजली बनने की उम्मीद है। इससे प्रति कोच प्रति वर्ष लगभग 2.80 लाख रुपये की बचत हो सकती है। साथ ही करीब 11 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आने की संभावना है। फिलहाल यह सिस्टम एक आईसीएफ नॉन-एसी कोच में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लगाया गया है। प्रदर्शन सफल रहने पर इसे दूसरे कोचों में भी चरणबद्ध तरीके से लगाया जा सकता है।

आत्मनिर्भर भारत की एक और तस्वीर पेश

हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. फिर बनाएगा एसयू-30 एमकेआई उन्नत लड़ाकू विमान

नई दिल्ली (ए.)। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) अपने नासिक प्लांट में एसयू-30 एमकेआई लड़ाकू विमान का उत्पादन फिर से शुरू कर रहा है। सरकारी क्षेत्र की कंपनी की योजना है कि अगले वित्त वर्ष तक में एयर फोर्स को पहले फाइटर जेट की डिलीवरी दे देगी। इसके साथ ही भारतीय वायु सेना के पास एसयू-30एमकेआई फाइटर जेट का जो मौजूदा बेड़ा है, उसे भी बहुत बड़े पैमाने पर अपग्रेड करने की तैयारी है।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड अपने नासिक वाले प्लांट में परंपरागत तौर पर रूसी मूल का लड़ाकू विमान बनाती रही है। नासिक प्लांट में एचएएल स्वदेशी हल्का लड़ाकू विमान तेजस भी बनाता है। रूस से लाइसेंस लेकर एचएएल भारतीय वायु सेना के लिए पहले भी 222 फाइटर जेट बना चुकी है।

एयर फोर्स ने दुर्घटनाओं में जो 12 एसयू-30एमकेआई गंवा दिए हैं, उसकी भरपाई के लिए नए फाइटर जेट बनाने के लिए दिसंबर 2024 में ही करार किया गया था। इन 12 एसयू-30 एमकेआई फाइटर जेट के निर्माण के लिए 11,000 करोड़ रुपये का ऑर्डर दिया गया है और इनमें जो पार्ट्स लगाए जाएंगे, उनमें 50 प्रतिशत भारत में ही बने होंगे।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड अपने नासिक प्लांट में सिर्फ नया एसयू-30 एमकेआई फाइटर जेट ही नहीं बनाएगा। भारतीय वायु सेना के पास एसयू-30एमकेआई फाइटर जेट का जो मौजूदा बेड़ा है, उसे भी बड़े पैमाने पर अपग्रेड करने की योजना है।

एसयू-30एमकेआई फाइटर जेट के मौजूदा बेड़े को अपग्रेड करने पर 60,000 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

इस अपग्रेडेशन प्रोग्राम में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की भी मदद ली जाएगी और इसमें जितने भी पार्ट्स और उपकरणों के इस्तेमाल होंगे, वह भारत की निजी कंपनियों से भी खरीदे जाएंगे।

एसयू-30 एमकेआई फाइटर जेट को अपग्रेड करने का यह काम दो फेज में होगा। पहले फेज में लड़ाकू विमानों में नए अत्याधुनिक एवियोनिक्स और रडार लगाए जाएंगे। दूसरे फेज में इन फाइटर जेट में अत्याधुनिक फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम फिट किए जाएंगे।

संभावना है कि जो स्वदेशी रडार लगाए जाएंगे, वह बहुत ज्यादा दूर से ही टारगेट को पहचान सकेंगे और उन्हें निशाना बना सकेंगे। एसयू-30एमकेआई में जो मौजूदा रडार हैं, वह इंडियन एयर फोर्स के लिए परेशानी की वजह रही है।

पहले चरण में इन लड़ाकू विमानों में ऐसे नए इलेक्ट्रोनिक वारफेयर सिस्टम भी लगाए जाएंगे, जो विमान की ओर आ रहे खतरों को पहचान कर उन्हें तत्काल जाम करने में सक्षम होंगे।

टारगेट को आसानी से निपटाने के लिए इन लड़ाकू विमानों में नए इंफ्रारेड सर्च एंड ट्रैक सिस्टम भी फिट किए जाएंगे।

एसयू-30 की खासियत

एसयू-30 एमकेआई फाइटर जेट भारी विमान है। इसका अधिकतम टेकऑफ वजन 38,800 किलो है। इसके एयरफ्रेम में 9,640 किलो फ्यूल और 8,000 किलो हथियार लोड किए जा सकते हैं। भारी हथियारों को ले जाने में सक्षम होने की वजह से यह विशाल सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलों के इस्तेमाल के लिए भी फिट है।

इस बार नहीं बच पाया भगोड़ा बांग्लादेशी, पुलिस ने दबोचा

रायपुर। पुलिस ने संजय नगर इलाके से एक बांग्लादेशी युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान शेख रेहान के रूप में हुई है, पुलिस उससे पूछताछ कर रायपुर में उसके रहने और दस्तावेजों से जुड़ी जानकारी जुटा रही है। बताया जा रहा है कि युवक काफी समय से रायपुर में रह रहा था। पुलिस अब उसके यहां रहने की अवधि और गतिविधियों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पिछले दिनों पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान शेख रेहान मौके से फरार हो गया था। फिर पुलिस को उसके संजय नगर इलाके में मौजूद होने की जानकारी मिली।

बाइक समेत खूंटी नाले में बहने लगा बुजुर्ग, लोगों ने तत्परता से बचाई जान

श्रीकंचनपथ समाचार

पेंड्रा। जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच नदी-नालों का जलस्तर और बहाव बढ़ गया है। इसी बीच खोडरी और ठेंगाडांड के बीच खूंटी नाला में एक बुजुर्ग बाइक सवार तेज बहाव की चपेट में आ गया। बुजुर्ग बाइक समेत बहने लगा, जिसे देखकर आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल तत्परता दिखाई और उसका रेस्क्यू कर लिया।

जानकारी के मुताबिक, बारिश के कारण खूंटी नाला उफान पर था। इसी दौरान एक बुजुर्ग बाइक लेकर नाले को पार करने की कोशिश कर रहा था। तेज बहाव के चलते वह बाइक समेत पानी में बहने लगा। अचानक हुई इस घटना से मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया।

बुजुर्ग को बाइक समेत बहता देख आसपास मौजूद लोगों ने बिना देर किए मदद के लिए आगे बढ़कर रेस्क्यू अभियान शुरू किया। लोगों की तत्परता और सूझबूझ से बुजुर्ग को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे में किसी बड़ी अनहोनी के टलने से लोगों ने राहत की सांस ली।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि तेज बारिश के दौरान नदी, नाले और पुल-पुलिया के ऊपर से पानी बहने की स्थिति में उसे पार करने की कोशिश न करें।

छत्तीसगढ़ में एक भी फर्जी विश्वविद्यालय नहीं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक भी फर्जी विश्वविद्यालय नहीं है। इसकी पुष्टि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कर दी है। यूजीसी ने हाल ही में फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी कर छत्तीसगढ़ को क्लीन चिट दे दी है।

यूजीसी की सूची में 32 विश्वविद्यालयों को फर्जी बताया गया है। आयोग ने साफ कहा है कि, इन संस्थानों की ओर से दी जाने वाली डिग्रियों की कोई मान्यता नहीं है। यूजीसी के अनुसार देश में 32 ऐसे संस्थान संचालित हो रहे हैं जो बिना वैध अनुमति के खुद को विश्वविद्यालय बताकर छात्रों को डिग्री देने का दावा कर रहे हैं।

ये संस्थान यूजीसी अधिनियम का उल्लंघन कर रहे हैं और इन्हें किसी भी प्रकार की मान्यता प्राप्त नहीं है।

ऐसे संस्थानों से मिलने वाली डिग्रियां सरकारी नौकरी, उच्च शिक्षा या किसी भी आधिकारिक उद्देश्य के लिए मान्य नहीं होंगी। यूजीसी ने सभी छात्रों और अभिभावकों से अपील की है कि किसी भी विश्वविद्यालय, कॉलेज या ऑनलाइन कोर्स में दाखिला लेने से पहले उसकी मान्यता की पूरी जांच करें। आयोग का कहना है कि केवल आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी पर ही भरोसा करें। यूजीसी ने कहा, अगर आप किसी विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने की तैयारी कर रहे हैं तो सबसे पहले उसकी मान्यता जरूर जांच लें। यूजीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर केंद्रीय, राज्य, डीम्ड और निजी विश्वविद्यालयों की अलग-अलग सूची उपलब्ध है। यदि विवि का नाम इस सूची में है तो उसे मान्यता प्राप्त माना जाएगा।

दिल्ली में 12, यूपी में 4

जारी की गई सूची में दिल्ली के 12, उत्तरप्रदेश के 4, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र और आंध्रप्रदेश के 2-2 विवि शामिल हैं। इसके अलावा हरियाणा, राजस्थान तथा अरुणाचल प्रदेश के भी एक-एक विवि इस सूची में हैं।

इंडिया हैबीटेट सेंटर में पंडवानी ने बांधी समा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर/नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ की पंडवानी को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक मंच इंडिया हैबिटेट सेंटर में अपनी पूरी जीवंतता के साथ प्रस्तुत हुई। महान पंडवानी कलाकार और पद्म विभूषण से सम्मानित स्वर्गीय तीजन बाई की स्मृति को समर्पित विशेष प्रस्तुति के साथ आईएचसी लोक संगीत सम्मेलन 2026 का शुभारंभ हुआ।

इंडिया हैबिटेट सेंटर के स्टाइन ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में पंडवानी कलाकार प्रभा यादव ने पारंपरिक संगीतकारों के साथ प्रस्तुति दी। महाभारत की कथाओं पर आधारित पंडवानी की इस विशिष्ट लोक शैली की ताकत और व्यापकता को सामने रखा।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के सलाहकार आर. कृष्ण दास, धरसींवा विधायक एवं प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी फिल्म कलाकार अनुज शर्मा, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने कार्यक्रम में भाग लिया। इंडिया हैबिटेट सेंटर के निदेशक प्रो. केजी सुरेश और अन्वेषा कला केंद्र की सचिव अन्वेषा ब्रह्मा भी इस अवसर पर मौजूद रहीं। इस प्रस्तुति का केंद्र तीजन बाई की कला यात्रा और पंडवानी को मिली राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान रही।

तिरंगा लेकर निकले बच्चे, लोगों ने बरसाए फूल

रायपुर। रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम से निकली तिरंगा यात्रा सुभाष स्टेडियम पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं और शहरवासियों ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम अरुण साव समेत भाजपा के जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता भी शामिल रहे। यात्रा से पहले इंडोर स्टेडियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, जिसमें बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। यात्रा के दौरान लोगों ने जगह-जगह फूल बरसाकर स्वागत किया, वहीं पारंपरिक वेशभूषा में कलाकारों ने नृत्य कर माहौल में उत्साह बढ़ाया।

सर क्रीक इलाके में भारत ने हासिल की रणनीतिक जीत

हरामी-धोखेबाज नाला पर पहले ही बढ़ा दी निगरानी

नई दिल्ली (ए.)। पाकिस्तान की नौसेना ने फील्ड मार्शल असीम मुनीर की निगरानी में अरब सागर के दलदली इलाके सर क्रीक सेक्टर में प्रोजेक्ट 'अबाबील' शुरू किया है। 'अबाबील' एक उर्दू शब्द है जो दैवीय हमले से जुड़ा है। पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहले ही मई माह में एक बड़ा दांव चल दिया था।

गुजरात के कच्छ जिले के विवादित 'सर क्रीक' इलाके में मौजूद 'हरामी नाला' पानी का एक संकरा रास्ता है जो भारत-पाकिस्तान सीमा के साथ-साथ फैली विशाल दलदली जमीन, मैंग्रोव के जंगलों और बदलते कीचड़ वाले इलाकों के बीच से गुजरता है।

इसी साल 29 मई, 2026 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'हरामी नाला' का दौरा किया था।

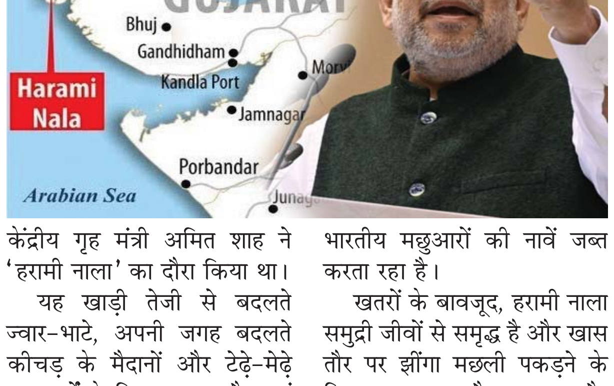

यह खाड़ी तेजी से बदलते ज्वार-भाटे, अपनी जगह बदलते कीचड़ के मैदानों और टेढ़े-मेढ़े जलमार्गों के लिए कुख्यात है। यहां नावें आसानी से फंस सकती हैं अनजान लोग रास्ता भटक जाते हैं। इसी का फायदा उठाकर पाकिस्तान भारतीय मछुआरों की नावें जब्त करता रहा है।

खतरों के बावजूद, हरामी नाला समुद्री जीवों से समृद्ध है और खास तौर पर झींगा मछली पकड़ने के लिए जाना जाता है। गुजरात और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के हज़ारों मछुआरे इस इलाके में मछली पकड़ते हैं।

शाह ने पहले ही हरामी नाला में बनवा दी ये चौकी

29 मई, 2026 को कच्छ के दौरे के दौरान अमित शाह ने भारत-पाकिस्तान सीमा के पास बॉर्डर आउटपोस्ट (बीओपी) जी-7 का उद्घाटन किया था और हरामी नाला सेक्टर में सुरक्षा इंतजामों को और मजबूत किए जाने पर जोर दिया था। गृह मंत्री ने ओपी टावर 1170 पर कंट्रोल रूम का दौरा किया, निगरानी फीड देखी। बीएसएफ जवानों से बातचीत की और नाव से हरामी नाला इलाके का दौरा किया। शाह ने हाल ही में तैयार किए गए जी-7 और जी-13 प्रोजेक्ट सीमा पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की एक बड़ी कोशिश का हिस्सा हैं।

रायपुर में 12 लाख की एमडीएमए के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर में पुलिस ने एक तस्कर को एमडीएमए ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 106 ग्राम एमडीएमए बरामद की गई है। मामला गंज थाना क्षेत्र का है। जब्त एमडीएमए की कीमत 12 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। साथ ही ड्रग्स सप्लाई करने वाले सिंडिकेट के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। आरोपी का नाम रामनिवास माचरा बताया जा रहा है। पुलिस के अधिकारी जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी का आधिकारिक खुलासा करेंगे। आरोपी के बारे में मुखबिर से सूचना मिली थी। वहीं अब पुलिस आरोपी ड्रग्स कहां से लेकर आया था और किन लोगों तक इसकी सप्लाई की जानी थी।

संपादकीय

बचाएं बचपन

मेटा पर अमेरिकी अदालत का भारी जुर्माना

बच्चों पर सोशल मीडिया की स्वच्छंदता से पड़ने वाले घातक प्रभावों को लेकर भारतीय अभिभावक, शिक्षक व समाजविज्ञानी लंबे अरसे से गंभीर चिंता जताते रहे हैं। यह प्रभाव कितना भयावह व घातक है, ये बात पश्चिमी देशों की सरकारों, समाज व अदालतों को अब समझ में आई है। बच्चे समय से पहले परिपक्व हो रहे हैं। किशोरों की यौन हिंसा और वयस्कों जैसे अपराधों में संलिप्तता, इसके घातक प्रभावों की बानगी है। सोशल मीडिया पर बच्चों की नजर से ऐसे वीडियो गुजरते हैं, जिसमें स्वच्छंद यौन व्यवहार होता है। कुछ लोग व कंपनियां मुनाफे के लिए ऐसे वीडियो अपलोड कर रहे हैं, जो भारतीय संस्कृति में पवित्र माने जाने वाले पारिवारिक रिश्तों, गुरु-शिष्य संबंधों और डॉक्टर मरीज के रिश्तों के वर्जित क्षेत्रों का अतिक्रमण करते नजर आते हैं। अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि कोरी स्लेट जैसे बालमन पर इसका कितना घातक असर पड़ता होगा? उसे पवित्र रिश्तों की दरकन और यौन-स्वच्छंद तथा गंभीर अपराध आम नजर आने लगते हैं। अमेरिका तथा कुछ अन्य विकसित देशों के स्कूलों में दना-दन गोलियां चलाते बच्चे इंटरनेट पर प्रसारित घातक सामग्री देखने से उपजी सनक की ही देन है। निस्संदेह, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा हेतु डिजिटल दुनिया को साफ-सुथरा रखने की जरूरत है। यही वजह है कि एक अमेरिकी अदालत ने फेसबुक और इंस्टाग्राम की मातृ संस्था मेटा पर 5,390 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना ज्यादा नहीं है क्योंकि पिछले साल कंपनी ने साठ अरब डॉलर का मुनाफा कमाया।

> “ सोशल मीडिया पर बच्चों की नजर से ऐसे वीडियो गुजरते हैं, जिसमें स्वच्छंद यौन व्यवहार होता है। कुछ लोग व कंपनियां मुनाफे के लिए ऐसे वीडियो अपलोड कर रहे हैं, जो भारतीय संस्कृति में पवित्र माने जाने वाले पारिवारिक रिश्तों, गुरु-शिष्य संबंधों और डॉक्टर मरीज के रिश्तों के वर्जित क्षेत्रों का अतिक्रमण करते नजर आते हैं। अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि कोरी स्लेट जैसे बालमन पर इसका कितना घातक असर पड़ता होगा? उसे पवित्र रिश्तों की दरकन और यौन-स्वच्छंद तथा गंभीर अपराध आम नजर आने लगते हैं। अमेरिका तथा कुछ अन्य विकसित देशों के स्कूलों में दना-दन गोलियां चलाते बच्चे इंटरनेट पर प्रसारित घातक सामग्री देखने से उपजी सनक की ही देन है। निस्संदेह, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा हेतु डिजिटल दुनिया को साफ-सुथरा रखने की जरूरत है।

दरअसल, मेटा पर जुर्माना लगाने से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि अदालत ने कंपनी को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिये अपने प्लेटफॉर्म में बदलाव करने को कहा है। दरअसल, न्यू मेक्सिको की अदालत ने स्वीकारा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिये घातक हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के कई राज्यों में सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ मुकदमें चल रहे हैं। फ्रांस व आस्ट्रेलिया में सोशल मीडिया पर सक्रियता को लेकर बच्चों की उम्र की सीमा तय की गई है। हकीकत यह है कि कंपनी ने ये प्लेटफॉर्म अपने मुनाफे के लिये इस तरह तैयार किए हैं ताकि बच्चों को इसकी लत लग जाए। पिछले दिनों भारत सरकार ने मेटा के अधिकारियों को बुलाकर विरोध जताया था कि उसके एक प्लेटफॉर्म पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े विज्ञापन भारी मुनाफा कमाकर प्रसारित किए गए। अमेरिकी अदालत ने भी माना है कि मेटा के प्लेटफॉर्म बच्चों को यौन शोषण से बचाने में विफल रहे हैं। यही वजह कि कोर्ट ने लगाए गए जुर्माने की राशि का एक भाग ऐसे पीड़ितों को मुआवजे के तौर पर देने के आदेश दिए हैं। समय आ गया है कि सोशल मीडिया कंपनियों को सामाजिक जवाबदेही के लिये बाध्य किया जाए। लेकिन यह नहीं हो कि अमेरिका के बच्चों के लिये अलग कानून और विकासशील व गरीब मुल्कों के बच्चों के लिये अलग कानून हो। हमारी सरकारों को भी इन सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर गैर-कानूनी सामग्री प्रसारित करने के खिलाफ सख्त रवैया अपनाना होगा।

पंजाब में चुनावी बढ़त के लिए रणनीतियां

ज्योति मल्होत्रा

पंजाब के मौजूदा राजनीतिक माहौल में कई ज्वलंत मामले हैं। इनमें ज़ेन-ज़ी से जुड़े मुद्दे, करतारपुर गलियारा, राज्य कांग्रेस में कलह के अलावा भाजपा-अकाली दल में सुलह के आसार प्रमुख हैं। ऐसे में जन समर्थन पाने को धार्मिक भावनाओं व युवा आकांक्षाओं की पूर्ति की दिशा में फैसले लेने जरूरी हैं।

अगर आज पंजाब में चुनाव हों, तो कौन सी पार्टी जीतेगी? इस सवाल का जवाब कई अलग-अलग मुद्दों से जुड़ा है, जैसे कि जेन-ज़ी छात्रों का विरोध प्रदर्शन जो अब जंतर-मंतर से झारखंड तक पहुंच चुका है; पिछले महीने 'कॉकरोच जनता पार्टी' के आंदोलन में शामिल महिला प्रदर्शनकारियों के खिलाफ़ तीव्र प्रतिक्रिया, जिसमें रेप करने और जान से मारने की धमकियां भी शामिल हैं; संसद में केंद्र का यह जवाब कि सुरक्षा कारणों से डेरा बाबा नानक को पाकिस्तान के नारोवाल ज़िले में गुरु नानक के आखिरी प्रवास स्थल से जोड़ने वाला करतारपुर साहिब गलियारा नहीं खोला जाएगा; और बीते शुक्रवार दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी और अकाली दल प्रमुख सुखबीर बादल के बीच बैठक।

मानो इतना ही काफी न हो, पिछले हफ़्ते के आखिर में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की चौंकाने वाली टिप्पणियां भी सामने आईं-उन्होंने माना कि जेन-ज़ी की शिकायतें 'वास्तविक' हैं, और यह भी कि लड़ाई के वक्त को छोड़कर, भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध टूटने नहीं चाहिए।

सबसे पहले, मोदी-बादल बैठक से संकेत मिलता है कि अकाली दल और भाजपा के बीच गठबंधन की संभावना फिर से बन रही है। दोनों पार्टियों ने अपनी-अपनी स्वतंत्र पहुंच दिखाने के लिए हर संभव कोशिश की, लेकिन काम बना नहीं। मार्च में ही पंजाब के मोगा में एक रैली में, ताकतवर गृह मंत्री अमित शाह ने केसरिया पगड़ी पहनकर पार्टी के लोगों से कहा था कि वे अकाली दल के 'छोटे भाई' की भूमिका निभाना बंद करें। मोगा रैली शाह और सुखबीर बादल के बीच बातचीत के दो साल बाद हुई थी; जब 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले सीट बंटवारे को लेकर बातचीत टूट गई थी-भाजपा बराबर की हिस्सेदारी चाहती थी और बादल इसके लिए तैयार नहीं थे।

स्पष्टत: ध्यान केंद्रित करने के लिए चुनाव जैसा और कुछ नहीं है। प्रधानमंत्री जानते हैं कि पंजाब में उनकी ओर से किये कई प्रयास- डेरा सचखंड बल्लां (जहां ज़्यादातर दलित सिख जाते हैं) का दौरा; पिछले माह शानदार रूपांतरण के बाद जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन का उद्घाटन; अनुभवी और सुलझे हुए सुनील जाखड़ की जगह जट सिख केवल ढिल्लों को राज्य पार्टी अध्यक्ष बनाना; तेजा सिंह समुन्द्री के पोते और सम्मानित पूर्व राजनयिक तरनजीत संधू को दिल्ली का उप-राज्यपाल बनाना, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को केसरिया पगड़ी पहनाकर पड़ोसी राज्य पंजाब में राजनीतिक दौरे करवाना-ये सब किसी गिनती में नहीं आएंगे यदि वे 2020 की उस अप्रिय घटना को आज भी याद रखते हैं, जब केंद्र सरकार द्वारा पारित तीन कृषि कानूनों के विरोध में शिरोमणि अकाली दल ने राजग छोड़ दिया था। प्रधानमंत्री को याद होगा कि केंद्र द्वारा झुकने और उन कानूनों को वापस लेने से पहले, किसानों ने- जिसमें सबसे अधिक भूमिका पंजाब के किसानों की थी - दिल्ली को एक साल तक घेरे रखा था।

प्रधानमंत्री समझते हैं कि 'जेन-ज़ी' के उस विरोध-प्रदर्शन, जिसने युवाओं में सुलगती निराशा को एक नई ऊर्जा और तेवर दिया है, के मद्देनज़र पूरे देश में अपनी छवि और प्रचार का ढंग बदलना होगा -और इसके लिए उनकी पार्टी को हाल के दिनों की कुछ कड़वी यादों का घूंट पीना पड़ेगा। उन्हें अहसास है कि उनकी पार्टी के लिए यह वरदान है कि राहुल गांधी, 'जेन-ज़ी' का साथ देने की कोशिश में, पंजाब प्रदेश कांग्रेस में लंबे समय से चल रही कलह को सुलझाने के बजाय कुत्तों के वीडियो बना रहे हैं- कांग्रेस नेता की इस बेरुखी का मतलब केवल उनके अंदर पैठ कर चुकी ज़िद से निकाला जा सकता है, जिसके कारण वे राज्य में पार्टी की कमान किसे सौंपी जाए, इस गतिरोध को तोड़ने को तैयार नहीं। (माना जाता है कि राजा वड़िंग का नाम तय करते समय राहुल ने करण जौहर के अंदाज़ में कहा, 'कह दिया, सो कह दिया', जबकि पंजाब का दूसरा धड़ा चरणजीत सिंह चन्नी के समर्थन में पुरजोर विरोध कर रहा है)। कांग्रेस हर दिन बिखरती जा रही है, इसीलिए शायद प्रधानमंत्री को लगता है कि अब 'आप' विरोधी गठबंधन बनाने का समय आ गया है। क्या बीजेपी उन कई अकाली दलों के लिए एक अनौपचारिक धुरी बन सकती है, जो सुखबीर बादल के भारी दबदबे के कारण मूल पार्टी से टूटकर अलग हो गए ? परिस्थिति के हिसाब से, क्या इसमें 'वारिस पंजाब दे' भी शामिल हो सकता है? इसके मुख्य नेता अमृतपाल सिंह देश-विरोधी गतिविधियों के आरोप में जेल में हैं, लेकिन अंदाजा लगाएं कि पार्टी में कौन सा नाम उभरकर सामने आया है-मनप्रीत अयाली-अब आप उनके बारे में जो चाहे सोचें। वे अकाली दल के एक प्रभावशाली पूर्व नेता हैं जिन्होंने शिरोमणि अकाली दल छोड़कर 'वारिस पंजाब दे' का दामन थाम लिया है; वे अमृतपाल के नेतृत्व को स्वीकार करते हुए खुद पर कट्टरपंथी या चरमपंथी होने के ठप्पे को सख्ती से नकारते हैं और गर्व से दावा करते हैं कि लुधियाना के आसपास उनके प्रॉपर्टी के धंधे में दूसरे समुदाय के कई लोग काम करते हैं।

बीजेपी और 'वारिस पंजाब दे'के बीच चल रही अफवाहों को छोड़िए-प्रधानमंत्री जानते हैं कि यह ज़ोरदार और गहरी चोट करने का समय है। वह जानते हैं कि अगर आज पंजाब की 117 सीटों पर चुनाव हों, तो बीजेपी को उम्मीदवार बनाने लायक लोग भी नहीं मिलेंगे-इसके अलावा, पिछले हफ़्ते पार्टी के भीतर ही बगावत हो गई है।

दो सवाल अभी भी बाकी हैं। सबसे पहले, करतारपुर साहिब गलियारे के बारे में क्या किया जाए जिसे खुलवाने की ख्वाहिश हर पंजाबी की है-खासकर इसलिए भी कि केंद्र सरकार ने पिछले हफ़्ते ही कई सालों बाद भारत-चीन सीमा पर नाथू ला और शिपकी ला के ज़रिए दोनों देशों के बीच व्यापार फिर से शुरू करने का आदेश दिया है। यहां तक कि अकाल तख्त के जत्थेदार भी करतारपुर साहिब गलियारा खोलने की सिफारिश कर रहे हैं। इसके अलावा, खुद मोहन भागवत ने भी कहा है कि पाकिस्तान दुश्मन नहीं है। तो क्या पंजाब बीजेपी की तरफ़ झुक सकता है, अगर भारत और पाकिस्तान करतारपुर साहिब गलियारे पर कोई ऐसा समझौता कर लें, जिससे दोनों की इज़्ज़त भी बची रहे और काम भी हो जाए?

और दूसरा सवाल, क्या पीएम मोदी सच में उन युवा भारतीयों की निराशा को समझते हैं जिसके गवाह जंतर-मंतर और झारखंड बने हैं? साफ है कि मोदी की पांच इंस्टाग्राम सेल्फी वीडियो और मोहन भागवत के साथ इंटरव्यू, युवाओं से जुड़ने की सरकार की कोशिश का हिस्सा हैं-पिछले कुछ दिनों में यह देखना बहुत दुखद रहा है कि प्रदर्शनों में शामिल युवा महिलाएं विस्तार से बता रही हैं कि उन्हें रेप करने और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं; यह उसके बाद से हुआ जब प्रधानमंत्री ने जेन-ज़ी प्रदर्शन के दौरान उन्हें और उनकी मां को अपशब्द कहने वाली एक युवा लड़की को फटकार लगाई थी। भले ही जंतर-मंतर के छात्र आंदोलन के समर्थन में पंजाब में कोई विरोध प्रदर्शन न हुआ हो -आप दलील दे सकते हैं कि युवा पंजाबी कनाडा में विरोध कर रहे हैं जहां वे अब भी जा रहे हैं, भले ही यह संख्या कम हो गई -लेकिन सच तो यह कि सोशल मीडिया ने दुनिया भर के लोगों को एक साथ ला दिया और हर राजनीतिक दल को अब इस नए 'एक्स फैक्टर' को समझना होगा व अपने राजनीतिक अभियानों में, खासकर शहरी इलाकों में, इसे ध्यान में रखना होगा। अब घूम-फिरकर उसी मूल सवाल पर आते हैं, लेकिन एक नए पहलू के साथ : 'अगर आज चुनाव हों, तो पंजाब जीतने के लिए क्या करना होगा'?

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में चमकना है तो अपने काम में 'स्टाइल' लाइए

एन. रघुरामन

इन दिनों मैं देखता हूं कि कॉलेज से पास-आउट युवा सूट और टाई के आकर्षण में आकर हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में आने की कोशिश करते हैं। लेकिन धीरे-धीरे उन्हें समझ आता है कि यहां ऐसा कोई काम नहीं है, जिसे वे किसी दूसरे से करने के लिए कह सकें, लेकिन खुद न करना चाहें। अचानक-से वे खुद को टेबल से पानी और वाइन के गिलास उठाते और उसे साफ करते हुए पाते हैं। उस समय उनकी आंखें टेबल के बजाय इधर-उधर देखती ज्यादा नजर आती हैं।

ऐसा इसलिए, क्योंकि वे नहीं चाहते कि कोई परिचित या परिजन उन्हें यह काम करते हुए देखे। इसमें हैरानी नहीं कि युवाओं में हॉस्पिटैलिटी को कामचलाऊ पेशा माना जाता है, लेकिन यह उनको कई ऐसी महत्वपूर्ण स्किल्स देता है, जो दूसरी इंडस्ट्री शायद ही देती है।

आप पूछ सकते हैं कि आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाए बिना हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में कैसे टिके रहें। मेरा सीधा-सा जवाब है- 'स्टाइल कोशंट' जोड़िए। जापानी मिल्क-बन का उदाहरण लीजिए, जो मीठे, मुलायम और फोटोजेनिक होते हैं। ये जापान ही नहीं, पूरे यूरोप और अमेरिका में भी बेहद सफल हैं। ये बन

ऊपर से सुनहरे भूरे और अंदर से बादल की तरह मुलायम होते हैं।

ऊपरी तौर पर देखें तो ये मुंबई में किसी चौपाटी के स्टॉल पर पावभाजी के साथ परोसे जाने वाले पाव जैसे दिखेंगे। लेकिन किसी शेफ की फोटोजेनिक नजरों से वही बन उसके बर्गर को कल्ट-बर्गर बना सकते हैं और उसकी कीमत 300₹ बढ़ा सकते हैं।

मुझे हाई-एंड केक बनाने के आर्ट के बारे में तब पता चला, जब एक मशहूर बेकर ने अभिनेत्री काजोल के लिए बनाए जाने वाले केक पर लिखा जाने वाला हनी ईरानी का मैसेज गलती से मेरे दोस्त को भेज दिया। काजोल ने 5 अगस्त को अपना जन्मदिन मनाया और हनी ईरानी भारतीय सिनेमा की वेटरन एक्ट्रेस और पुरस्कार विजेता स्क्रीनराइटर हैं। उन्होंने यश चोपड़ा की मशहूर फिल्म 'लम्हे' (1991) के लिए अपनी डेब्यू स्क्रिप्ट लिखी थी और बेस्ट स्टोरी का फिल्मफेयर जीता था। मैंने अपने दोस्त से वही केक मुझे भेजने के लिए कहा और यकीन मानिए वह हर तरीके से बिल्कुल अलग था। जो रेस्तरां खाने को लग्जरी अनुभव में बदल पाते हैं, वे दुनिया में सबसे ज्यादा कमाते हैं। अमेरिका का उदाहरण लें।

वहां अगर आप किसी हाई-एंड रेस्तरां में टेबल बुक करने की कोशिश कर रहे हैं तो आपको शाम 5 बजे का, या फिर रात 10:30 बजे का ही स्लॉट मिलेगा। 1.5 ट्रिलियन डॉलर की यह इंडस्ट्री पूरे हफ्ते ओवर-क्राउडेड रहती है। और यहां मैं सिर्फ उन लोगों की बात कर रहा हूं, जो बाहर जाकर खाने पर खूब खर्च करते हैं। इन लोगों की इस परेशानी ने नए ऐप्स, मेंबरशिप क्लब्स और बिचौलियों को जन्म दिया है, जो खाने पर अत्यधिक खर्च करने वालों और उनके पसंदीदा रेस्तरां तक पहुंच बनाने के लिए मुकाबला कर रहे हैं।

हॉस्पिटैलिटी में स्टाइल महज यह नहीं कि आप क्या पहनते हैं या खाने को कैसे सजाते हैं। यह आपकी भाषा, बॉडी लैंग्वेज और व्यवहार में भी समान रूप से नजर आता है। कोई युवा प्रोफेशनल अगर कैजुअल 'ओके' कहने के बजाय कहता है कि 'बिल्कुल सर, मैं इसका ध्यान रखूंगा,' तो वह अलग इम्प्रेशन छोड़ता है। टेबल के पास खड़े होने, ट्रे उठाने, कुर्सी खींचने, बिना बीच में टोके बात सुनने, बिना घूरे नजरें मिलाने और गेस्ट की ओर पीठ किए बगैर वहां से हटने के आपके तौर-तरीके साधारण सर्विस को भी शानदार बना सकते हैं।

आप गिलास भी उठा रहे हैं तो उम्मीद की जाती है कि यह आप उसी गरिमा से करेंगे, जैसे आप फाइव-स्टार भोजन परोसते हैं। सिर्फ सॉफ्टली बोलना ही नहीं, बल्कि काम में अपोलोजेटिक दिखे बिना आत्मसम्मान के साथ चलना भी हॉस्पिटैलिटी प्रोफेशनल की पहचान है। गेस्ट को लगना चाहिए कि आप महज खाना नहीं परोस रहे, बल्कि एक अनुभव दे रहे हैं। यही असली स्टाइल कोशंट है।

फंडा यह है कि हॉस्पिटैलिटी कोई लो-स्टेटस जॉब नहीं, जिसे आप 'बेहतर' नौकरी मिलने तक कामचलाऊ तौर पर करें। यह ऐसी इंडस्ट्री है, जहां साधारण-से काम को भी असाधारण बारीकी से किया जाए तो वह मूल्यवान बन जाता है।

सम्यक् समझ की अंतर्दृष्टि देता है स्वाध्याय

प्रोफेसर सुखनंदन सिंह

कोई भी पुस्तक पढ़ने से स्वाध्याय का प्रयोजन पूरा नहीं हो जाता। इसके लिए आध्यात्मिक रूप से प्रकाशित महापुरुषों, मानवीय चेतना के मर्मज्ञ ऋषियों द्वारा रचित ग्रंथों का पारायण श्रेष्ठ रहता है, जो मानवीय मन एवं व्यक्तित्व की सभी परतों को समझने और इनके पार जाने का मार्ग सुझाते हों।

व्यक्ति की सामान्य वृत्ति बहिर्मुखी रहती है और समाज का चलन भी उसे इसी दिशा में प्रेरित-प्रवाहित रखता है। स्वयं को समझने के लिए जिस प्रकाश की आवश्यकता रहती है, वह अंतर्मुखी मन के साथ ही उपलब्ध हो पाता है। इसके लिए टिककर कुछ पल ठहरने और अंदर निहारने की आवश्यकता होती है। अंत:करण के कोने-कातर में छिपे दोष-दुर्गुणों, आदतों-संस्कारों का अवलोकन करना पड़ता है।

अपनी सामान्य बुद्धि एवं समझ के आधार पर भी इसे किया जा सकता है। लेकिन जिस गहराई एवं व्यापकता में इस अंत:अवलोकन एवं आत्मविश्लेषण की आवश्यकता रहती है, वह मात्र स्वयं की बौद्धिक समझ के आधार पर सम्यक रूप में संभव नहीं हो पाती। जबकि स्वाध्याय के प्रकाश में यह कार्य सहज एवं प्रभावी ढंग से संपन्न हो जाता है।

स्वाध्याय का अर्थ है सद्ग्रंथों के प्रकाश में स्वयं का अध्ययन। स्वयं का अध्ययन तो मनोविज्ञान भी करता है, लेकिन इसकी अपनी सीमाएं हैं। यह अचेतन मन की अंधेरी परतों के पार प्रकाश नहीं डाल पाता, क्योंकि अभी तक आधुनिक मनोविज्ञान का स्वरूप पूरी तरह से प्रकाशित नहीं है। यह अचेतन या अवचेतन मन की सीमाओं में ही जीवन को परिभाषित करता है। इन्हीं सीमाओं में जीवन के समाधान प्रस्तुत करता है, जो अंतरात्मा को संतुष्ट नहीं कर पाते। वहीं ऋषियों द्वारा, प्राज्ञ पुरुषों द्वारा रचित साहित्य अचेतन को भी प्रकाशित करने वाले प्रकाश-स्रोत की ओर संकेत करता है, उससे परिचय करवाता है। इसे जीवन में धारण करने का मार्गदर्शन प्रदान करता है। ऐसे आध्यात्मिक साहित्य के अध्ययन, पारायण एवं चिंतन-मनन के साथ वह अंतर्दृष्टि विकसित होती है, जो जीवन की सम्यक समझ को विकसित करती है। इसके विभिन्न आयामों से परिचय करवाती है। व्यक्तित्व के चेतन, अचेतन एवं सुपरचेतन—सभी पक्ष इसके अवलोकन के दायरे में आ जाते हैं। स्वाध्याय के साथ आत्मचिंतन करते हुए व्यक्ति अंतरमन के गहनतर स्तर पर स्वयं का विश्लेषण कर पाता है। इसी सुधार एवं परिष्कार की प्रक्रिया गहनतम स्तर पर संभव हो पाती है।

इस प्रकाश के अभाव में व्यक्ति अंधेरे में भटकता रहता है। धन, सत्ता, ऐश्वर्य एवं सुख-भोग में जीवन के आदि और अंत को तलाशता है और जीवन में सुख, शांति व आनंद की कामना करता है, जो मृगतृष्णा ही साबित होते हैं। बल्कि जीवन तनाव, अवसाद एवं हताशा-निराशा के अंधेरे में खो जाने के लिए अभिशप्त होता है। पश्चाताप के साथ इसका अवसान होता है। स्वाध्याय व्यक्ति को इस त्रासदी से बचाता है, उबारता है। वह समझ पैदा करता है, जिसके आधार पर व्यक्ति अपने जीवन की कमान अपने हाथों में लेता है और जीवन की चरम संभावनाओं की ओर अग्रसर होता है। कोई भी पुस्तक पढ़ने से स्वाध्याय का प्रयोजन पूरा नहीं हो जाता। इसके लिए आध्यात्मिक रूप से प्रकाशित महापुरुषों, मानवीय चेतना के मर्मज्ञ ऋषियों द्वारा रचित ग्रंथों का पारायण सर्वश्रेष्ठ रहता है, जो मानवीय मन एवं व्यक्तित्व की सभी परतों को समझने और इनके पार जाने का मार्ग सुझाते हों। जीवन में जिस स्तर का रूपांतरण हम चाहते हैं, उसी अनुरूप पुस्तकों का चयन एवं पारायण अपेक्षित रहता है। ईमानदारी से जिन्होंने अपने जीवन को बदलने के सफल प्रयास किए हों, उनकी पुस्तकें हमें पथ की बारीकियों से परिचित करवाने में बहुत सहायक रहती हैं।

प्रश्न उठता है कि स्वाध्याय कब व कैसे करें। स्वाध्याय प्रभावशाली हो, इसके लिए एक सार्वकालिक अनुभूत विधि है कि प्रात: जब स्नान के बाद ध्यान या आत्मचिंतन के लिए बैठते हों, उस समय स्वाध्याय का प्रयोग करें। इस समय मन स्वत: ही शांत, स्थिर, एकाग्र एवं ग्रहणशील अवस्था में होता है। अपने सामान्य ध्यान-पूजन के बाद चयनित पुस्तक का एक पन्ना, या एक पैरा, या कुछ श्लोक अर्थ-चिंतन के साथ इस क्रम में पढ़े जा सकते हैं। इस दौरान एक विचार, जो अंतर्चेतना को गहनतम स्तर पर छू गया हो, उसे दिन का विचार या गुरु-मंत्र मानते हुए एक कागज या पॉकेट डायरी में नोट करें। दिन भर इस पर विचार करें। फुर्सत के पलों में इसे निहारें, इसका मनन करें और जीवन में धारण करने का प्रयास करें। शाम या रात को सोने से पहले, जब एकांत में हों, तो चिंतन करें कि विचार कितने अंशों में, किस स्तर पर लागू हो पाया।

स्वाध्याय के साथ चिंतन-मनन एवं आत्म-अवलोकन का यह प्रयोग क्रमश: एक अंतर्दृष्टि विकसित करेगा। स्वाध्याय से संगृहीत विचार, एक सेना के रूप में आपके तरकश में एकत्र होंगे, जो जीवन के कठिन दौर में, विषम परिस्थितियों में, जब नकारात्मक और अवांछनीय विचारों की सेना आपको परास्त करने के लिए हावी होगी, तब आपके काम आएंगे। विषादग्रस्त अर्जुन की भांति आपकी विषादमय मन:स्थिति में यही विचार श्रीकृष्ण की भांति सारथी बनकर आपका मार्गदर्शन कर रहे होंगे।

शिवार्चना

डमरू नाद उठे कैलाशा, शिव-तांडव दिखलाते।
भूतनाथ जब भस्म रमाते, डमरू खूब बजाते।।
सृष्टि मूल के स्रोत तुम्ही हो, देते आप सहारा।
रौद्र रूप दर्शन से थर-थर, काँपे है जग सारा।।
जटाजूट में गंग विराजे, नीलकण्ठ कहलाते।
भूतनाथ जब भस्म रमाते, डमरू खूब बजाते।।
तुंग हिमालय वास सदाशिव, रक्षा सबकी करते।
दीन-दुखी की पीड़ा हरते, खाली झोली भरते।।
सर्प गले में धारण करते, गरलपान कर जाते।
भूतनाथ जब भस्म रमाते, डमरू खूब बजाते।।
'सुषमा' सुंदर ध्यान करें जो, पायें वही किनारा।
भक्त-हृदय के भाव समझते, देते आप सहारा।।
हर प्राणी के दुख को हरते, भोलेनाथ कहाते।
भूतनाथ जब भस्म रमाते, डमरू खूब बजाते।।
औघड़दानी त्रिपुरारी के, शरणागत जो जाता।
शिव भोले भंडारी से वह, पूर्ण तेज बल पाता।।
आंक-धतूरा-बेलपत्र सह, चंदन तिलक लगाते।
भूतनाथ जब भस्म रमाते, डमरू खूब बजाते।।
डमरू-नाद उठे कैलाशा, शिव-तांडव दिखलाते।
भूतनाथ जब भस्म रमाते, डमरू खूब बजाते।।

सुषमा प्रेम पटेल (रायपुर)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

जय आनंद मधुकर रतन भवन में 'जैन संस्कार आरोहण पाठ्यक्रम' की परीक्षा संपन्न, 80 परीक्षार्थी हुए शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब, दुर्ग में आज राष्ट्र संत, मानव मिलन के संस्थापक श्री मणिभद्र मुनि जी महाराज एवं साध्वी श्री लक्ष्मी जी म.सा. के पावन सानिध्य में श्रमणसंघीय जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित 'जैन संस्कार आरोहण पाठ्यक्रम' की धार्मिक परीक्षा संपन्न हुई। परीक्षा में दुर्ग केंद्र पर लगभग 80 परीक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने धार्मिक ज्ञान और संस्कारों को समृद्ध करने का संकल्प लिया।

श्रमणसंघीय जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड द्वारा यह परीक्षा 9 अगस्त, रविवार को दोपहर 1:30 से 4:30 बजे तक देशभर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर एक साथ आयोजित की गई। छत्तीसगढ़ सहित भारत के अनेक क्षेत्रों में

परीक्षार्थियों ने इस परीक्षा में भाग लिया। अनेक प्रतियोगी पूरे वर्ष नियमित अध्ययन एवं तैयारी करते रहे और परीक्षा के माध्यम से अपने धार्मिक ज्ञान का मूल्यांकन किया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ धार्मिक परीक्षा बोर्ड के अध्यक्ष दिनेश बाफना, भारती श्रीश्रीमाल एवं हरीश श्रीश्रीमाल ने परीक्षार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि धार्मिक परीक्षा केवल अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार, स्वाध्याय और सद्शिक्षा को जीवन में उतारने का अवसर है। उन्होंने सभी श्रावक–श्राविकाओं एवं विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे प्रत्येक वर्ष इस परीक्षा में भाग लेकर अपने धार्मिक ज्ञान में निरंतर अभिवृद्धि करें और नई पीढ़ी को भी धर्म एवं संस्कारों से जोड़ें।

प्रमुख खबरें

डॉ. यशेश्वरी ध्रुव बनी विवि रासेयो कार्यक्रम समन्वयक

दुर्ग। शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की डॉ. यशेश्वरी ध्रुव विभागाध्यक्ष हिन्दी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी को हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के राष्ट्रीय सेवा योजना विश्वविद्यालय प्रकोष्ठ में कार्यक्रम समन्वयक के रूप में दायित्व सौपा गया है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने उन्हें शुभकामनायें देते हुए कहा कि डॉ. ध्रुव इस महाविद्यालय में विगत 18 वर्षों से राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी के रूप में सामाजिक शैक्षणिक दायित्व का निर्वहण कर रही हैं। इतने बड़े महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया जाना हमारी संस्था के लिए गर्व की बात हैं।

ओबीसी महासभा ने 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग की

भिलाई। ओबीसी महासभा की प्रदेश इकाई छत्तीसगढ़ के आव्हान पर दुर्ग में महासभा के जिलाध्यक्ष भानु प्रताप यादव के नेतृत्व में कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में वन नेशन–वन रिजर्वेशन की अवधारणा के तहत ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग की गई। साथ ही राष्ट्रीय जनगणना में ओबीसी की अलग से गणना सुनिश्चित करने और ओबीसी कृषि भूमि संरक्षण अधिनियम बनाने का आग्रह किया गया। यह ज्ञापन प्रधानमंत्री और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर दुर्ग को प्रेषित किया गया। भानु प्रताप यादव ने कहा कि इन मांगों से सामाजिक न्याय को मजबूती मिलेगी और नीतिगत फैसलों में ओबीसी समुदाय की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

ट्विन सिटी में पार्किंग संकट

एक सप्ताह में 160 से ज्यादा दुकानदारों को नोटिस, 1200 से ज्यादा वाहनों का कटा चालान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सुरक्षित बनाने तथा एनएच–53, मुख्य मार्गों एवं सर्विस रोड पर होने वाले अतिक्रमण एवं अव्यवस्थित पार्किंग को हटाने विगत 1 सप्ताह से अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान 1215 वाहन चालकों का चालान काटा गया और 167 दुकानदारों को नोटिस दिया गया।

यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा नगर निगम भिलाई, नगर निगम दुर्ग, नगर निगम चरोदा, नगर पालिका कुम्हारी के साथ मिलकर विगत 01 सप्ताह में विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त रूप से कार्यवाही की जा रही है। सड़क में बाधा उत्पन्न करने वाले 09 दुकानदारो को बीएनएस की धारा 152 के तहत नोटिस दिया गया एवं 97 कंडम वाहनो को हाटने की कार्यवाही की गयी।

कार्रवाई के दौरान दुकानदारों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि दुकान का सामान सड़क पर और पैदल चलने वाले मार्ग पर न रखें तथा यातायात व्यवस्था बाधित न करें। सुपेला एवं पॉवर हाउस क्षेत्र में मुख्य मार्ग के किनारे ऑटो डीलरों के द्वारा अवैध कब्जा कर रखे वाहनों को हटाने एवं यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा ई चालान की कार्यवाही की गई तथा भविष्य में सड़क पर वाहन खड़े नहीं करने की समझाईश दी गई। ऑटो एवं ई–रिक्शा चालकों को निर्धारित पावर हाउस बस स्टैंड में ही वाहन खड़ा करने के लिए निर्देशित किया गया, ताकि मुख्य मार्ग पर अनावश्यक जाम की स्थिति निर्मित न हो।

सड़क किनारे ठेला लगाने वाले व्यवसायियों को सड़क के नीचे किनारे की ओर ठेला लगाने की समझाईश दी गई। इसी प्रकार गुमटी संचालकों को सड़क पर दुकान लगाकर यातायात बाधित नहीं करने हेतु निर्देशित किया गया। इस 01 सप्ताह के सम्पूर्ण कार्यवाही में दुर्ग क्षेत्र में 03 एवं छावनी क्षेत्र में 06 दुकानदारों विरुद्ध ब्नह्स की धारा 152 के तहत नोटिस जारी किया गया एवं 97 कंडम वाहनों को हटाया गया । सड़क पर अवैध एवं अव्यवस्थित पार्किंग करने वाले दुर्ग में 256, सुपेला क्षेत्र में 567, भिलाई 03 में 392, कुल 1215 वाहनों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत ई–चालान की कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही आगे भविष्य में निरंतर जारी रहेगा।

प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय (च–12)

यातायात पुलिस सभी दुकानदारों, ऑटो एवं ई–रिक्शा चालकों, ठेला एवं गुमटी संचालकों तथा वाहन चालकों से अपील करती है कि सड़क एवं सर्विस रोड पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण अथवा अव्यवस्थित पार्किंग न करें। सड़क सार्वजनिक आवागमन के लिए है। सड़क पर दुकान का सामान, ठेला, गुमटी अथवा वाहन खड़ा करने से यातायात बाधित होने के साथ–साथ दुर्घटना की संभावना भी बढ़ जाती है। यातायात पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने एवं सड़क को अतिक्रमण मुक्त करने का यह अभियान लगातार आगे भी जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

साइंस कालेज में विश्व आदिवासी दिवस पर लोकगीत के समूहगान का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग द्वारा आयोजित विश्व आदिवासी दिवस के अंतर्गत महाविद्यालय के रविंद्र नाथ टैगोर हाल में समूह गान प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें आदिवासी लोक संस्कृति लोक त्योहार पारंपरिक सभ्यता पर आधारित था।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ अजय कुमार सिंह ने आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, भाषा, कला और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय देश की सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है और उनके अधिकारों तथा विकास के लिए समाज को जागरूक होना चाहिए। इस अवसर पर लोकगीत, लोकनृत्य, पारंपरिक वेशभूषा तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने भी विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत कर आदिवासी संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी वक्ताओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार तथा आदिवासी क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। साथ ही जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के प्रति आदिवासी समाज के पारंपरिक ज्ञान की सराहना की गई।

समूह गान के अंतर्गत कुल 6 समूहों ने प्रतियोगिता में भाग लिया समूह गान आदिवासी बोली गोंडी एवं अन्य भाषाओं पर व्यवस्थित थी इसमें प्रथम स्थान के रूप में मोहम्मद आदिल एवं समूह तथा द्वितीय स्थान पर मुस्कान एवं समूह एवं तृतीय स्थान पर सत्यम जंघेल एवं समूह रहे। निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. रिचा ठाकुर, प्राचार्य संगीत महाविद्यालय, दुर्ग प्राध्यापक डॉ. दिव्या मिंज, डॉ. गोवर्धन सिंह ठाकुर उपस्थित रहे।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में 42 वर्षीय महिला की बड़ी सर्जरी

चंदूलाल मेडिकल कॉलेज में कोख से निकाला 15-16 फाइब्रॉयड

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। चंदूलाल चंद्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय, कचांदुर, दुर्ग के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में 42 वर्षीय महिला का विशाल एवं गर्भाशय फाइब्रॉइड से संबंधित जटिल मामले का सफलतापूर्वक उपचार किया गया।

महिला पिछले लगभग 5–6 वर्षों से बार–बार गर्भपात, अत्यधिक मासिक धर्म रक्तस्राव तथा पेट में बढ़ती हुई गांठ से परेशान थी। लंबे समय से अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसे गंभीर एनीमिया (खून की कमी) हो गया था तथा इसके लिए उसे कई बार रक्त चढ़ाने की आवश्यकता पड़ी थी।

चिकित्सकीय परीक्षण एवं एमआरआई जांच में गर्भाशय का आकार लगभग 22–24 सप्ताह की गर्भावस्था के बराबर पाया गया,

जो मध्य पेट तक फैला हुआ था। गर्भाशय में विभिन्न स्थानों पर अनेक बड़े फाइब्रॉइड पाए गए, जिनमें इंट्राम्यूरल, सबसीरोसल एवं सबम्यूकोसल फाइब्रॉइड शामिल थे। इनकी स्थिति फिगो टाइप 0–7 के अनुरूप थी।

विस्तृत जांच, गंभीर एनीमिया का उपचार एवं आवश्यक प्री–ऑपरेटिव तैयारी के बाद मरीज एवं परिजनों को उचित परामर्श दिया गया। इसके पश्चात टोटल एब्डॉमिनल हिस्टेरेक्टॉमी की गई।

ऑपरेशन के दौरान विभिन्न आकार के लगभग 15–16 फाइब्रॉइड गर्भाशय से निकाले गए। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति अच्छी रही और उसका पोस्ट–ऑपरेटिव रिकवरी सुचारू एवं बिना किसी प्रमुख जटिलता के हुई।

यह मामला लंबे समय से अत्यधिक रक्तस्राव, गंभीर एनीमिया, बार–बार गर्भपात और अत्यधिक बढ़े हुए गर्भाशय के कारण एक चुनौतीपूर्ण स्थिति थी, जिसका सफल उपचार विशेषज्ञ चिकित्सकीय मूल्यांकन, एनीमिया के सुधार, उचित सर्जिकल योजना एवं सावधानीपूर्वक ऑपरेशन द्वारा किया गया।

गर्भाशय में फाइब्रॉइड एक सामान्य समस्या है और समय पर पहचान एवं उपचार से गंभीर जटिलताओं को रोका जा सकता है। लंबे समय तक या अत्यधिक मासिक धर्म, मासिक धर्म के बीच रक्तस्राव, बार–बार गर्भपात, पेट या श्रोणि में दर्द अथवा भारीपन, पेट का असामान्य रूप से बढ़ना, अत्यधिक कमजोरी, चक्कर या सांस फूलना, जो एनीमिया के संकेत हो सकते हैं – इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

जिले में अब तक 546.5 मिमी बारिश भिलाई-3 में सबसे ज्यादा बरसे बदरा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग–भिलाई। दुर्ग जिले में इस बार मानसून लगातार सक्रिय बना हुआ है। 1 जून से 9 अगस्त 2026 तक जिले में औसतन 546.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। पिछले कुछ दिनों से हो रही अच्छी बारिश से खेतों और जल स्त्रोतों में पानी की स्थिति बेहतर हुई है। इससे धान की फसल को भी राहत मिली है। बारिश के चलते शहर और ग्रामीण इलाकों में मौसम सुहाना बना हुआ है।

कलेक्टर कार्यालय की भू–अभिलेख शाखा के अनुसार, जिले की अलग–अलग तहसीलों में बारिश का आंकड़ा अलग–अलग रहा है। सबसे ज्यादा

बारिश दुर्ग तहसील में 681.8 मिलीमीटर दर्ज की गई है। इसके बाद पाटन में 669.1, भिलाई–3 में 591.8, बोरी में 569.1, अहिवारा में 446.5 और धमधा में सबसे कम 380.6 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है।

9 अगस्त को जिले के कई हिस्सों में बारिश हुई। सबसे ज्यादा 58.1 मिमी बारिश भिलाई–3 में दर्ज की गई। दुर्ग में 53.6 मिमी, अहिवारा में 40.9 मिमी, पाटन में 35.6 मिमी, धमधा में 18.5 मिमी और बोरी में 6.0 मिमी बारिश हुई। दिनभर रुक–रुककर हुई बारिश से लोगों को राहत मिली।

सवा लाख पार्थिव शिवलिंग महारुद्राभिषेक का आयोजन 16 को

भिलाई। बजरंग पारा, कोहका में सार्वजनिक मां दुर्गोत्सव समिति और हनुमान मंदिर समिति के तत्वावधान में सवा लाख पार्थिव शिवलिंग महारुद्राभिषेक का आयोजन कोहका के ग्रामवासियों के सहयोग से 16 अगस्त को किया जाएगा। कार्यक्रम के पहले दिन 15 अगस्त की शाम 7 बजे विभिन्न स्थानों से लाई गई मिट्टी का मिश्रण बनाकर पूजन होगी। इसके बाद शाम 7.30 बजे से खिलेश यादव की प्रस्तुति रखी गई है। अगले दिन सुबह 7 बजे से पार्थिव शिवलिंग निर्माण के लिए मिट्टी का वितरण कर निर्माण शुरू किया जाएगा। आयोजन के दौरान सुरभि मानस और जस जगराता परिवार की भजन प्रस्तुति भी होगी। सुबह 11 बजे से रुद्राभिषेक, हवन और महाआरती का आयोजन किया जाएगा।

स्तनपान दिवस पर महापौर ने किया माताओं का सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। विश्व स्तनपान सप्ताह (01 से 07 अगस्त 2026) के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विवेकानंद सभागार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार अपने एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, नीलेश अग्रवाल,रंजीता पाटील,एवं पार्षद साथियों के साथ शामिल हुईं।

इस दौरान उन्होंने माताओं एवं उपस्थित नागरिकों को स्तनपान के महत्व, शिशु के स्वस्थ विकास तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।महिला बाल विकास अधिकारी अनिता सिंह ने कार्यक्रम शामिल महापौर का स्वागत किया।

महापौर ने कार्यक्रम में माताओं

का तिलक लगाकर सम्मान किया तथा उनके स्वस्थ एवं तंदुरुस्त जीवन की कामना करते हुए हेल्दी किट का वितरण किया।

उन्होंने कहा कि मां का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम, प्राकृतिक एवं संपूर्ण पोषण का महत्वपूर्ण आधार है। जीवन के शुरुआती दौर में स्तनपान शिशु के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ–साथ उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि स्तनपान केवल शिशु के पोषण का माध्यम नहीं, बल्कि मां और बच्चे के बीच मजबूत भावनात्मक जुड़ाव का आधार भी है। स्वस्थ जीवन की शुरुआत मां के दूध से होती है। इसलिए प्रत्येक परिवार एवं समाज को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के लिए गर्भावस्था से लेकर शिशु के प्रारंभिक वर्षों तक उचित पोषण, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने उपस्थित माताओं से अपील करते हुए कहा कि वे स्वयं भी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और अपने बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए आवश्यक पोषण एवं देखभाल को अपनाएं।

महापौर ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि 'आइए, स्वस्थ माँ–स्वस्थ शिशु–स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी सहभागिता निभाएँ और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को जन–जन तक पहुँचाने में अपना योगदान दें।'

कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी–कर्मचारी, एमआईसी सदस्य, पार्षदगण, माताएं एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

11 एमएलडी फिल्टर प्लांट की नई टंकी का वाल्व खराब, बंद रहेगा जलप्रदाय

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग के 11 एमएलडी फिल्टर प्लांट की नई टंकी का वाल्व खराब होने के कारण कुछ क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। वाल्व में आई तकनीकी खराबी के चलते वार्ड क्रमांक 24, 25, 26, 27, 29 एवं 30 में रविवार शाम की जलापूर्ति तथा सोमवार की जलापूर्ति प्रभावित रहने की संभावना है। नगर निगम के जलकार्य विभाग द्वारा वाल्व की खराबी को दूर करने के लिए आवश्यक मरम्मत कार्य किया जा रहा है। निगम द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि जलापूर्ति प्रभावित रहने की स्थिति को देखते हुए आवश्यकतानुसार पानी का भंडारण कर सहयोग प्रदान करें। तकनीकी खराबी दूर होने के पश्चात संबंधित वार्डों में जलापूर्ति व्यवस्था सामान्य रूप से बहाल कर दी जाएगी।

खास-खबर

असम के बाढ़ प्रभावितों की सहायता के लिए छत्तीसगढ़ सरकार देगी 5 करोड़ रुपए

रायपुर। असम में बाढ़ से उत्पन्न गंभीर परिस्थितियों के बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मानवीय संवेदना और अंतरराज्यीय सहयोग की भावना के साथ बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से 5 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान करने का निर्णय लिया है। यह राशि असम में चल रहे राहत एवं पुनर्वास कार्यों में सहयोग के लिए प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने रविवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से दूरभाष पर चर्चा कर राज्य में बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों की जानकारी ली। उन्होंने बाढ़ के कारण प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस कठिन घड़ी में छत्तीसगढ़ की जनता असम के अपने भाई-बहनों के साथ पूरी एकजुटता से खड़ी है।

कच्चे घर से पक्के आशियाने तक, सोमारी बघेल का सपना हुआ पूरा

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण सुकमा जिले के जरूरतमंद परिवारों के जीवन में बड़ा बदलाव ला रही है। ग्राम पंचायत बोकड़ाओडर, जनपद पंचायत छिंदगढ़ निवासी श्रीमती सोमारी बघेल का वर्षों पुराना पक्का घर बनाने का सपना अब पूरा हो गया है। योजना के तहत मिले पक्के मकान ने उनके परिवार को सुरक्षा, सम्मान और बेहतर जीवन की नई शुरुआत दी है। सोमारी बघेल का परिवार लंबे समय तक कच्चे और जर्जर मकान में रहता था। बारिश के दिनों में छत से पानी टपकता था, दीवारें कमजोर हो जाती थीं और सांप- बिच्छुओं का डर बना रहता था। परिवार को हर मौसम में असुरक्षा और परेशानी का सामना करना पड़ता था।

हसदेव बांगो परियोजना के लिए 3.83 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य शासन ने कोरबा जिले की महत्वाकांक्षी हसदेव बांगो परियोजना के अंतर्गत हसदेव बैराज दर्री के संरक्षण व सुदृढ़ीकरण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। बैराज के गेटों, स्टॉप लॉग और होइस्टिंग सिस्टम की मरम्मत तथा पेंटिंग कार्य के लिए 3.83 करोड़ रूपए से अधिक की पुन: पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जारी स्वीकृति के तहत हसदेव बैराज दर्री के सभी गेट स्टॉप लॉग, दांयी एवं बांयी तट हेड रेग्यूलेटर तथा उनके होइस्टिंग एरेंजमेंट (उठाने-गिराने की प्रणाली) का आवश्यक सुधार व मरम्मत कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही जंग व क्षरण से बचाव के लिए संपूर्ण गेट ढांचे की गुणवत्तापूर्ण पेंटिंग कराई जाएगी।

सुकमा जिला अस्पताल ने बचाई दो माताओं की जान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे लगातार प्रयास अब लोगों के लिए जीवनरक्षक साबित हो रहे हैं। सुकमा जिले के कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन में जिला अस्पताल और सभी स्वास्थ्य केंद्रों में दवाइयों की उपलब्धता, चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ की उपस्थिति तथा मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की नियमित निगरानी की जा रही है। इसका सकारात्मक परिणाम हाल ही में जटिल प्रसव के दो मामलों में देखने को मिला, जहां चिकित्सकों ने समय पर उपचार कर दो माताओं की जान बचाई।

स्वतन्त्रता दिवस पर मुख्यमंत्री साय राजधानी रायपुर के मुख्य कार्यक्रम में करेंगे ध्वजारोहण

■ उपमुख्यमंत्री अरूण साव दुर्ग और विजय शर्मा बस्तर में फहराएंगे ध्वज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आगामी 15 अगस्त, को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में राजधानी रायपुर के पुलिस मैदान में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे।

सामान्य प्रशासन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यालय जिला बिलासपुर में केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, दुर्ग में उप मुख्यमंत्री अरुण साव तथा बस्तर में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य समारोह में ध्वजारोहण करेंगे। राजनांदगांव में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सरगुजा में आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम, महासमुंद में खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, दंतेवाड़ा में वन मंत्री केदार कश्यप, कबीरधाम में उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी

जायसवाल स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहपण करेंगे। इसी प्रकार रायगढ़ में वित्त मंत्री ओपी चौधरी, कांकेर में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, सूरजपुर में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, जांजगीर-चांपा में कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, जशपुर में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, बालोद में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, बलौदाबाजार में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, बेमेतरा में सांसद विजय बघेल, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में सांसद संतोष पांडेय ध्वजारोहण करेंगे।

इसी प्रकार कोंडागांव में सांसद भोजराज नाग, बलरामपुर में सांसद चिंतामणि महाराज, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में सांसद राधेश्याम राठिया, गरियाबंद में सांसद रूपकुमारी चौधरी, सक्ती में सांसद कमलेश जांगड़े, बीजापुर में सांसद महेश कश्यप, सुकमा में राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह और मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ध्वजारोहण करेंगे। जिला कोरबा में विधायक अमर अग्रवाल, धमतरी में विधायक अजय चंद्राकर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में विधायक धरमजीत सिंह, मुंगेली जिला मुख्यालय में विधायक पुन्नूलाल मोहले, कोरिया में विधायक श्री भैय्या लाल राजवाड़े और नारायणपुर जिला मुख्यालय में विधायक लता उसेंडी स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण करेंगे।

छत्तीसगढ़ में टूटा 10 वर्षों का रिकार्ड झमाझम बारिश से सभी जिले तरबतर

मौसम विभाग ने जारी किए आंकड़े, राज्य में अब तक 647.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इस मानसून सीजन में बादलों की मेहरबानी लगातार जारी है। बारिश ने पिछले 10 वर्षों का रिकार्ड तोड़ दिया है। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी 9 अगस्त 2026 तक की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में अब तक औसत सामान्य वर्षा का 100.9 प्रतिशत पानी बरस चुका है। 1 जून से 9 अगस्त की अवधि में राज्य में औसतन 647.3 मि.मी. बारिश दर्ज की गई है, जो पिछले 10 वर्षों की औसत वर्षा (641.3 मि.मी.) के आंकड़े को पार कर चुकी है। केवल 9 अगस्त को ही प्रदेश में औसतन 27.9 मि.मी. झमाझम बारिश दर्ज की गई।

राज्य के मध्य छत्तीसगढ़ और मैदानी इलाकों में मानसून जमकर बरसा है, वहीं सरगुजा और बस्तर संभाग के कुछ जिलों में बारिश का आंकड़ा अब भी औसत से पीछे बना हुआ है। प्रदेश में सबसे अधिक बारिश सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में दर्ज की गई है, जहाँ अब तक सामान्य से रिकॉर्ड 193.9 फीसदी अधिक (943.7

मि.मी.) जल बरस चुका है। इसके साथ ही महासमुंद में औसत का 144.0 फीसदी, नारायणपुर में 130.0 फीसदी, राजधानी रायपुर में 129.7 फीसदी, बलौदाबाजार में 128.5 फीसदी, गरियाबंद में 122.8 फीसदी, जांजगीर-चांपा में 123.8 फीसदी, सक्ती में 121.4 फीसदी, बालोद में 118.5 फीसदी, मुंगेली में 118.2 फीसदी, दुर्ग में 111.7 फीसदी, बिलासपुर में 111.5 फीसदी और धमतरी में 109.4 फीसदी वर्षा दर्ज हो चुकी है। इन जिलों में औसत से अधिक वर्षा होने से जल निकायों और खेतों में पर्याप्त पानी उपलब्ध है।

इसी तरह बलरामपुर में औसत का 126.7 फीसदी, राजनांदगांव में 103.1 फीसदी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 100.9 फीसदी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 99.1 फीसदी, कोरिया में 96.9 फीसदी, कोरबा में 96.1 फीसदी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 96.0 फीसदी, रायगढ़ में 95.9 फीसदी, दंतेवाड़ा में 93.2 फीसदी और सूरजपुर में 91.7 फीसदी बारिश दर्ज की गई है, जहाँ मानसून की स्थिति सामान्य और संतुलित बनी हुई है।

दूसरी ओर, कबीरधाम में औसत का 86.1 फीसदी, कोण्डागांव में 85.2 फीसदी, बेमेतरा में 80.9 फीसदी, जशपुर में 75.1 फीसदी, बस्तर में 74.8 फीसदी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 72.5 फीसदी, बीजापुर में 71.4 फीसदी, सरगुजा में 69.5 फीसदी, कांकेर में 69.4 फीसदी और सुकमा जिले में सबसे कम 67.7 फीसदी (602.3 मि.मी.) बारिश दर्ज हुई है। इन जिलों में बारिश का आंकड़ा 50 फीसदी से 80 फीसदी के बीच ही सिमटा हुआ है, जहाँ किसान अब भी मानसून की अगली जोरदार झड़ी का इंतजार कर रहे हैं। राज्य बाढ़ नियंत्रण कक्ष और मौसम विभाग द्वारा सभी संवेदनशील जिलों, जलाशयों और नदी तटों की निरंतर निगरानी की जा रही है। प्रदेश के सभी जिला कार्यालय में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

शिक्षा की राह में छोटा-सा योगदान बच्चों के सपनों को मिली नई उड़ान

■ मिशन एजुकेशन के स्टेशनरी दान अभियान से जुड़े मंत्री अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जरूरतमंद एवं वंचित बच्चों को शिक्षा से जोड़ने तथा उनकी पढ़ाई में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से मिशन एजुकेशन द्वारा संचालित स्टेशनरी दान अभियान में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सहभागिता की। उन्होंने जरूरतमंद बच्चों के लिए आवश्यक शैक्षणिक सामग्री का दान कर इस सराहनीय पहल को अपना समर्थन दिया।

मिशन एजुकेशन द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद बच्चों तक पढ़ाई में उपयोग होने वाली आवश्यक सामग्री पहुंचाई जा रही है। अभियान के तहत कॉपियां, पेन, पेंसिल, रबर, ज्यामिति बॉक्स सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि संसाधनों के अभाव में उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है। किसी बच्चे की

पढ़ाई में किया गया सहयोग केवल एक वस्तु का दान नहीं, बल्कि उसके बेहतर भविष्य की दिशा में बढ़ाया गया महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में अपनी क्षमता के अनुसार योगदान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आर्थिक परिस्थितियां किसी बच्चे के सपनों के रास्ते में बाधा नहीं बननी चाहिए। बच्चों को बेहतर शिक्षा और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने से उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। मंत्री अग्रवाल ने मिशन एजुकेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जरूरतमंद बच्चों तक शैक्षणिक सामग्री पहुंचाने का यह प्रयास समाज में सहयोग की भावना को मजबूत करता है।

अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत आईसीएआर ने किसानों को वितरित किए स्टोरेज बिन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत ग्राम बेल्टुकरी के अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों एवं किसान महिलाओं को 100 स्टोरेज बिन वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य कृषि उपज के सुरक्षित एवं वैज्ञानिक भंडारण को बढ़ावा देना तथा भंडारण के दौरान होने वाले फसल उपरांत नुकसान को कम करना है।

राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने कहा कि कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ उपज का उचित भंडारण भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक भंडारण पद्धतियों को अपनाने से कृषि उपज को नमी, कीट प्रकोप तथा भंडारण के दौरान होने वाले अन्य नुकसान से सुरक्षित रखा जा सकता है। इससे उपज की गुणवत्ता एवं मात्रा को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद मिलती है। डॉ. राय ने कहा कि कृषि उपज का वैज्ञानिक एवं उचित भंडारण न केवल फसल उपरांत होने वाले नुकसान को कम करता है, बल्कि किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त करने में भी मदद करता है। उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा किसानों की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप वैज्ञानिक तकनीकों एवं उपयोगी कृषि ज्ञान को गांव स्तर तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

डॉ. पंकज शर्मा, संयुक्त निदेशक ने किसानों से संवाद करते हुए धान की फसल में रोपाई के बाद अपनाई जाने वाली प्रमुख सस्य क्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने समय पर खरपतवार प्रबंधन, संतुलित पोषक तत्वों का प्रयोग, उचित जल प्रबंधन तथा फसल की नियमित निगरानी पर विशेष जोर दिया।

डॉ. शर्मा ने किसानों को धान की फसल में आगामी समय में संभावित प्रमुख कीटों की पहचान एवं उनके प्रभावी प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने किसानों से फसल की नियमित निगरानी करने तथा कीटों के प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में ही वैज्ञानिक सलाह के आधार पर उचित प्रबंधन उपाय अपनाने का आग्रह किया।

उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा एससीएसपी के माध्यम से किसानों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण के लिए वैज्ञानिक जानकारी, कृषि उपकरण एवं यंत्र, प्रशिक्षण तथा आधुनिक कृषि तकनीकों से संबंधित उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इन प्रयासों का उद्देश्य किसानों की तकनीकी क्षमता को बढ़ाना, कृषि कार्यों को अधिक प्रभावी बनाना तथा कृषि आय में वृद्धि के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करना है।

लाभार्थी किसानों एवं किसान महिलाओं ने स्टोरेज बिन उपलब्ध कराने तथा वैज्ञानिक कृषि संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन भंडारण सुविधाओं से कृषि उपज को सुरक्षित रखने तथा भंडारण के दौरान होने वाले नुकसान को कम करने में काफी मदद मिलेगी। सामाग्री विरतरण कार्यक्रम का समन्वय डॉ. के. सी. शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक, द्वारा किया गया।

मरंगी जलाशय के लिए 6.63 करोड़ की स्वीकृति

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य शासन के सिंचाई विभाग ने जशपुर जिले के विकासखंड बगीचा स्थित मरंगी जलाशय योजना के निर्माण के लिए 6.63 करोड़ की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। मरंगी जलाशय योजना के पूर्ण होने से क्षेत्र के 140 हेक्टेयर खरीफ रकबे में सिंचाई की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। इससे स्थानीय किसानों को सीधा लाभ पहुंचेगा और क्षेत्र में कृषि गतिविधियों को नया बढ़ावा मिलेगा। राज्य शासन ने परियोजना को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। स्वीकृत राशि 6.63 करोड़ को अंतिम माना गया है।

नैनो यूरिया से बदली सब्जी की खेती की तस्वीर किसान सम्मेलाल बने आत्मनिर्भरता की मिसाल

■ कम लागत में बेहतर उत्पादन से बढ़ा आर्थिक लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासन द्वारा किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसका सकारात्मक प्रभाव अब सक्ति जिले के किसानों के खेतों में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। आधुनिक कृषि तकनीकों के साथ नैनो यूरिया के उपयोग से किसान कम लागत में बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्राप्त कर अपनी आय बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

सक्ती जिले के विकासखंड सक्ती के ग्राम भद्रीपाली के प्रगतिशील किसान सम्मेलाल सिदार इसकी प्रेरणादायक मिसाल हैं। वे लगभग 5 से 6 एकड़ कृषि भूमि में बैंगन, टमाटर सहित विभिन्न प्रकार की सब्जियों की खेती करते हैं। श्री सम्मेलाल सिदार ने बताया कि पिछले वर्ष उन्होंने अपनी फसल में नैनो यूरिया का उपयोग किया। इसके परिणामस्वरूप पौधों की बढ़वार बेहतर हुई, फसल की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आया और उत्पादन भी अच्छा प्राप्त हुआ।

किसान सम्मेलाल सिदार ने बताया कि नैनो यूरिया के उपयोग से रासायनिक उर्वरकों पर होने वाला खर्च कम हुआ, जिससे खेती की लागत में कमी आई और उन्हें अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि शुरुआत में नैनो यूरिया के उपयोग को लेकर उनके मन में कुछ संदेह था, लेकिन फसल में मिले सकारात्मक परिणामों ने उनका विश्वास मजबूत कर दिया। अब वे अपने अनुभव आसपास के अन्य किसानों के साथ साझा कर उन्हें भी नैनो यूरिया के उपयोग के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

सीएम हेल्पलाइन बना समस्याओं के समाधान का सशक्त जरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान के लिए शुरू की गई 'सीएम हेल्पलाइन 1076' प्रदेशवासियों के लिए बेहद उपयोगी और प्रभावी साबित हो रही है। इस हेल्पलाइन के माध्यम से वर्षों या महीनों से अटके काम अब कुछ ही दिनों में पूरे हो रहे हैं। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम देवकट्टा के निवासी केवल राम अपने बेटे का आधार कार्ड बनवाने के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे। कई बार संबंधित कार्यालयों के चक्कर काटने के बाद भी जब काम नहीं बना, तो उन्होंने परेशान होकर सीएम हेल्पलाइन 1076 पर अपनी शिकायत दर्ज कराई।

सीएम हेल्पलाइन में मामला दर्ज होते ही संबंधित विभाग तुरंत हरकत में आया। जिला ई-गवर्नेंस के मार्गदर्शन में डोंगरगढ़ नगरपालिका स्थित आधार सेवा केंद्र के माध्यम से सभी आवश्यक कागजी कार्रवाई व प्रक्रिया पूरी की गई और केवल राम के बेटे का आधार कार्ड आसानी से बनकर तैयार हो गया।

लाभार्थी ने जताया शासन का आभार

अपनी समस्या का समयबद्ध निराकरण होने पर श्री केवल राम ने राहत की सांस ली और खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन की बदौलत उन्हें बार-बार दफ्तरों के चक्कर लगाने से मुक्ति मिली है। उन्होंने इस पारदर्शी और त्वरित व्यवस्था के लिए राज्य शासन व स्थानीय प्रशासन का दिल से आभार जताया।

24 घंटे उपलब्ध है सहायता

छत्तीसगढ़ में सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली के तहत आम नागरिक टोल-फ्री नंबर 1076, वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप तथा व्हाट्सएप जैसे मल्टी-चैनल माध्यमों से 24 घंटे में कभी भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

सशक्त महिला और जागरूक बालिका से बनेगा मजबूत समाज- दीपिका शोरी

■ महिला आयोग सदस्य ने सखी सहेली सेंटर और नारी निकेतन का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती दीपिका शोरी ने दंतेवाड़ा स्थित सखी सहेली सेंटर और नारी निकेतन का आकस्मिक निरीक्षण कर महिलाओं की सुरक्षा, महिलाओं के अधिकारों और उन्हें मिल रही सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सखी सहेली सेंटर (वन स्टॉप सेंटर) और नारी निकेतन दोनों ही संकट में फंसी महिलाओं की मदद करने वाली सरकारी संस्थाएं हैं। सखी सेंटर महिलाओं को तत्काल चिकित्सा, कानूनी सलाह, काउंसलिंग और कुछ दिनों का अस्थायी आश्रय देता है। वहीं नारी निकेतन लंबे समय के सुरक्षित आवास और पुनर्वास के लिए एक स्थायी आश्रय गृह है।

पीड़ित महिला को न्याय दिलाना शासन की प्राथमिकता

श्रीमती शोरी ने सखी सहेली सेंटर और नारी निकेतन का निरीक्षण के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि महिलाओं से जुड़े मामलों में पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ काम किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी पीड़ित महिला को न्याय मिलने में देरी नहीं होनी चाहिए। त्वरित और नि:शुल्क सहायता तथा न्याय उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जिन मामलों में कोई समस्या या बाधा हो, उन्हें तुरंत महिला आयोग के संज्ञान में लाया जाए। श्रीमती दीपिका शोरी ने नारी निकेतन में रह रही महिलाओं से बातचीत कर स्वास्थ्य, भोजन, रहन-सहन और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली।

अधिकारों की जानकारी से बढ़ेगा आत्मविश्वास

दीपिका शोरी ने कहा कि बालिकाओं को बचपन से ही शिक्षा के साथ कानूनी जानकारी और आत्मविश्वास देना जरूरी है, ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें और किसी भी गलत व्यवहार का साहसपूर्वक विरोध कर सकें। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा कानूनों और सहायता योजनाओं की जानकारी देने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाएगा। इससे महिलाओं की सुरक्षा मजबूत होगी और उन्हें न्याय तथा संरक्षण से जुड़ी शासकीय सेवाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। महिलाओं ने उपलब्ध व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया।

महिलाओं की सुरक्षा और जागरूकता पर विशेष जोर

राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती शोरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग और राष्ट्रीय महिला आयोग का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित वातावरण और न्याय दिलाना है। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं के खिलाफ होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए समाज में जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि महिलाओं और बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों और सरकारी सहायता सेवाओं की जानकारी देना समय की जरूरत है। जागरूक और शिक्षित बालिका आगे चलकर आत्मनिर्भर और सशक्त महिला बनती है, जो परिवार और समाज दोनों को मजबूत बनाती है।

रेमो डिसूजा की अगली एक्शन एंटरटेनर में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी नुसरत

अभिनेता टाइगर श्रॉफऔर निर्देशक-कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा एक बार फिर एक हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर के लिए साथ आ रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की स्टारकास्ट में अब एक और बड़ा नाम जुड़ गया है और वो नाम है फैशन दीवा नुशरत भरुचा का, जो फिल्म में एक प्रमुख किरदार निभाती नजर आएंगी।

पहली बार टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी नुसरत फिल्म से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, निर्माता ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थे जो अपने किरदार में मजबूती के साथ भावनात्मक गहराई भी ला सके और नुसरत भरुचा इस भूमिका के लिए उनकी पहली पसंद साबित हुईं।

सूत्र ने बताया, टीम ऐसे कलाकार की तलाश में थी जो कहानी में मजबूती और भावनात्मक गहराई दोनों ला सके। नुसरत शुरू से ही सबसे मजबूत विकल्पों में थीं। फिलहाल इस फ़िल्म में उनका किरदार बेहद प्रभावशाली है और दर्शक उन्हें बिल्कुल नए अंदाज में देखेंगे।

हालांकि निर्माताओं ने अभी तक उनके किरदार का खुलासा नहीं किया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि नुसरत की भूमिका कहानी का अहम हिस्सा होगी और वह पारंपरिक हीरोइन से कहीं आगे जाकर कहानी को नई दिशा देती नजर आएंगी।

यह पहली बार होगा जब टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा किसी फिल्म में साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, टाइगर और रेमो डिसूजा लगभग एक दशक बाद फिर से साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने 2016 में रिलीज़ हुई सुपरहीरो फिल्म ए फ्लाइंग जट्ट में साथ काम किया था।

ए फ्लाइंग जट्ट के बाद फिर साथ आए टाइगर और रेमो

टाइगर श्रॉफ और रेमो डिसूजा की पिछली फिल्म ए फ्लाइंग जट्ट में टाइगर ने अमन ढिल्लों का किरदार निभाया था, जो एक रहस्यमयी घटना के बाद सुपरपावर्स हासिल कर सुपरहीरो बन जाता है और खलनायक राका से मुकाबला करता है। फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस, डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार नेथन जोन्स, के.के. मेनन, अमृता सिंह और गौरव पांडे जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में थे।

आने वाली इस फिल्म में टाइगर एक बार फिर दमदार एक्शन अवतार में नजर आएंगे, जबकि नुसरत का किरदार भी कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। फिलहाल फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और रिलीज़ डेट को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

टाइगर श्रॉफ हाल ही में निर्देशक ए. हर्षा की फिल्म बागी 4 में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त, हरनाज़ संधू, सोनम बाजवा और श्रेयस तलपड़े जैसे कलाकार भी थे।

वहीं नुसरत भरुचा की हालिया रिलीज़ कॉमेडी-थ्रिलर उफ्फ ये सियापा थी, जिसमें उन्होंने सोहम शाह के साथ स्क्रीन शेयर की थी।

रेमो डिसूजा, टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा की यह नई साझेदारी दर्शकों के लिए एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव साबित हो सकती है। दमदार एक्शन, नई स्टारकास्ट और दिलचस्प कहानी के साथ यह फिल्म पहले से ही काफी चर्चा बटोर रही है।

सीरत कपूर ने इंडस्ट्री में अपने एक दशक के सफर पर किया विचार

मनोरंजन जगत में अपने एक दशक का सफर पूरा करने के साथ ही अभिनेत्री सीरत कपूर ने अपने अब तक के सफर को याद करते हुए उन अनुभवों पर खुलकर बात की, जिन्होंने उन्हें एक कलाकार और एक इंसान के रूप में लगातार आगे बढने् की प्रेरणा दी। वर्षों के दौरान उन्होंने साउथ भारतीय सिनेमा में अपनी एक अलग पहचान बनाई है, जहाँ हर फिल्म, हर भाषा और हर अनुभव ने उनके अभिनय के साथ-साथ उनके सोचने के नजरिए को भी समृद्ध किया है।

सीरत अपने दर्शकों से मिले प्यार और समर्थन के लिए बेहद आभारी हैं, लेकिन उनका मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री में लंबे समय तक टिके रहना केवल प्रतिभा के दम पर संभव नहीं है। सार्थक किरदारों की तलाश, लगातार बदलती इंडस्ट्री के साथ खुद को ढालना और दर्शकों का भरोसा बनाए रखना—ये चुनौतियाँ आज भी हर अभिनेता के सामने मौजूद हैं।

साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री ने मुझे एक कलाकार के रूप में सीखने, निखरने और आगे बढने् का मंच दिया। अलग-अलग भाषाओं और संस्कृतियों में काम करने से मैंने खुद को और अधिक सहज, अनुकूल और अपने हर किरदार के प्रति ईमानदार बनाना सीखा। इस सफर ने मेरे उस विश्वास को और मजबूत किया कि मानवीय भावनाओं को किसी सबटाइटल की ज़रूरत नहीं होती। यही कहानी कहने की सबसे खूबसूरत बात है।

आज के दौर में, जहाँ सोशल मीडिया अक्सर सफलता का पैमाना तय करता है, सीरत का मानना है कि असली उपलब्धि केवल चर्चा में बने रहने से कहीं आगे की बात है। उनके लिए सबसे बड़ी सफलता दर्शकों का सम्मान और प्यार अर्जित करना है, वह भी ऐसे काम के ज़रिए जो लोगों के दिलों पर स्थायी प्रभाव छोड़े।

जब उनसे पूछा गया कि आज के समय में कलाकारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती क्या है—सार्थक भूमिकाएँ पाना, लगातार चर्चा में बने रहना या लोगों द्वारा लंबे समय तक याद रखा जाना—तो उनका जवाब बेहद विचारशील और संतुलित था। सही वजहों से याद रखा जाना।

लोकप्रियता क्षणिक होती है और ट्रेंड्स लगातार बदलते रहते हैं, लेकिन आपके काम से कमाया गया सम्मान हमेशा आपके साथ रहता है। लोग आपको बार-बार देखने की वजह से आपका चेहरा याद रख सकते हैं, लेकिन आपके काम को इसलिए याद रखते हैं क्योंकि उसने उन्हें कुछ महसूस कराया।

मेरा मानना है कि लंबे समय तक टिके रहने का राज अपनी सच्चाई बनाए रखने, लगातार खुद को बेहतर बनाते रहने और अपने काम को अपनी पहचान बनने देने में है। अपने करियर के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर सीरत इसे मंज़िल नहीं, बल्कि एक नए अध्याय की शुरुआत मानती हैं।

जॉन अब्राहम और शिवम नायर फिर साथ, तैयार हो रही करियर की सबसे बड़ी एक्शन थ्रिलर

द डिप्लोमैट की सफलता के बाद अभिनेता जॉन अब्राहम एक बार फिर निर्देशक शिवम नायर के साथ हाथ मिलाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेता और निर्देशक की ये जोड़ी अब एक धमाकेदार टू-हीरो एक्शन थ्रिलर फिल्म के लिए साथ आ रही है। इस प्रोजेक्ट में जबरदस्त थ्रिल और डबल एक्शन का तड़का देखने को मिलेगा, जिसने ऐलान के साथ ही फैंस और फिल्म इंडस्ट्री के बीच भारी उत्सुकता जगा दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म की कहानी से जुड़ी जानकारियां अभी गुप्त रखी गई हैं, लेकिन सूत्रों के मुताबिक ये दो ताकतवर अभिनेताआ की धमाकेदार एक्शन-मसाला फिल्म होगी।

जॉन को फिल्म का कांसेप्ट बहुत पसंद आया और वो तुरंत इसके लिए तैयार हो गए। निर्माता इस साल के अंत तक फिल्म की शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं और 2027 के अंत तक सिनेमाघरों में रिलीज करने का लक्ष्य रखा गया है।

जॉन और शिवम नायर की साथ में पहली फिल्म द डिप्लोमैट दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों को भी बहुत पसंद आई और इसने कमाई भी अच्छी की। फिल्म में भारतीय राजनयिक जेपी सिंह के रोल में जॉन की गंभीर और दमदार एक्टिंग की खूब तारीफ हुई। कहानी एक ऐसी भारतीय लड़की को पाकिस्तान से वापस भारत लाने की कोशिशों पर बनी थी, जिसकी मर्जी के खिलाफ धोखा देकर जबरदस्ती शादी करा दी गई थी।

द डिप्लोमैट की सफलता के बाद से जॉन और शिवम नायर एक-दूसरे के संपर्क में थे और एक और फिल्म के लिए कई विचारों पर चर्चा कर रहे थे। आखिरकार उन्होंने इस एक्शन थ्रिलर फिल्म को फाइनल किया।

सूत्रों का कहना है कि यह फिल्म शिवम नायर के करियर का अब तक का सबसे बड़ा कमर्शियल प्रोजेक्ट होगी। इससे पहले निर्देशक नाम शबाना, स्पेशल ऑप्स और मुखबिर जैसी जासूसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं।

नायर की इस फिल्म से पहले जॉन फिल्म फोर्स 3 में नजर आएंगे, जिसमें उनके सामने सनम तेरी कसम के हीरो हर्षवर्धन राणे होंगे।

भाव धुलिया के निर्देशन में बन रही फोर्स 3 का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और ये 19 मार्च 2027 को रिलीज होगी, वहीं जॉन की अगली रिलीज रोहित शेट्टी की मारिया होगी, जो पूर्व मुंबई पुलिस कमिश्नर राकेश मारिया के जीवन पर आधारित है और इस साल के अंत में आएगी।

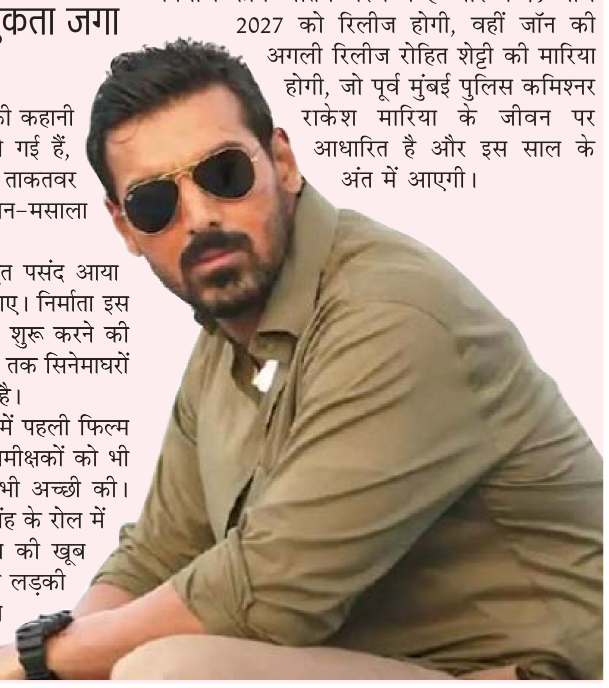

पर्दे पर चट्टान से दिल वाले यश 'टॉक्सिक' के ट्रेलर लॉन्च में क्यों हुए भावुक?

फिल्म 'टॉक्सिक' का ट्रेलर रिलीज हुआ। इसमें यश लीड रोल में हैं। बंगलूरू में भव्य इवेंट में ट्रेलर लॉन्च किया गया, जिसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

यश स्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' का दर्शकों के बीच बेसब्री से इंतजार हो रहा है। कल शनिवार को बंगलूरू में फिल्म के ट्रेलर से पर्दा उठा। पांच भाषाओं में जारी ट्रेलर में भर-भरकर एक्शन सीन्स हैं। ट्रेलर को काफी अच्छी प्रतक्रिया मिल रही है। 'टॉक्सिक' में यश खूंखार अंदाज में दिखे हैं। मगर, वहीं कल इवेंट में वे भावुक होते दिखे। उनकी आंखों में आंसू थे। जानिए क्यों?

क्यों भावुक हो गए रॉकी भाई?

पर्दे पर रॉकी भाई यानी यश का अलग ही दमदार अंदाज नजर आता है। वे चट्टान से मजबूत नजर आते हैं। मगर, रियल लाइफ में वे फैमिली मैन हैं। हालांकि, इस फिल्म की मेकिंग के दौरान उन्हें अपना काफी वक्त देना पड़ा और फैमिली टाइम से समझौता करना पड़ा। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में यही बताते हुए यश की आंखें छलक आई और वे भावुक हो गए। उन्होंने अपनी पत्नी राधिका पंडित का शुक्रिया अदा किया है।

यश ने पत्नी के लिए क्या कहा?

यश का एक वीडियो वायरल है। इसमें वे वाइफ राधिका का आभार जता रहे हैं, जिन्होंने पूरी फिल्म मेकिंग के दौरान उन्हें सपोर्ट किया। पत्नी का शुक्रिया अदा करते हुए यश ने कहा,

मैं अपनी पत्नी का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। मेरा दोस्त होना आसान नहीं है। किसी भी तरह मेरे साथ जुड़ा होना आसान नहीं।

यह फिल्म काफी डिमांडिंग थी। मुझे अपने कंफर्ट जोन से निकलना पड़ा। मैंने जितने भी रोल किए हैं, यह सबसे अलग था।

इसके लिए समय की बहुत जरूरत थी। मेरी पत्नी ने बहुत मैनेज किया है। उनका बहुत सपोर्ट रहा है। मैं शुक्रगुजार हूं।

कुछ भी बेकार नहीं जाएगा।

यह कहते हुए यश भावुक हो गए और बोलते-बोलते बीच में ठहर गए।

नयनतारा ने भी की रॉकी भाई की तारीफ

ट्रेलर लॉन्च इवेंट से एक वीडियो नयनतारा का भी काफी वायरल हो रहा है। इसमें वे यश के काम की तारीफ करती दिखी हैं। साथ ही राधिका की भी तारीफ की है कि उन्होंने कितना समझौता किया है।

नयनतारा ने कहा, 'मैं बहुत से सुपरस्टार्स और एक्टर्स से मिली हूं। सब कूल होते हैं। अच्छे होते हैं। मगर, जब यश से मैं मिली तो उनकी रियल लाइफ में भी 'लार्जर देन टाइप' की इमेज है। हर कोई वर्क एथिक्स के बारे में बात करता है। मैंने यश को कभी यह कहते नहीं सुना कि मैं हार्ड वर्किंग एक्टर हूं'।

नयनतारा ने आगे कहा, 'हर दिन सेट पर मैं यश को देखकर हैरान हुई हूं कि इस इंसान ने यह दिया है। साढ़े चार साल तक ये मेहनत की है। यश ने अपना फैमिली टाइम और लाइफ के साथ समझौता किया है। अपने बच्चों का समय और अपनी पत्नी के समय के साथ समझौता किया है।

उन्होंने सिर्फ काम पर फोकस किया है। यह देखते रहे कि काम कैसा चल रहा है। बाकी एक्टर्स कंफर्टेबल हैं या नहीं।

मैंने आप जैसा एक्टर नहीं देखा। आप फैमिली मैन हो। शानदार पिता हो। आप बेहिसाब कठिन मेहनत करते हो।

कियारा आडवाणी ने लूटी लाइमलाइट

बीते दिन ट्रेलर लॉन्च इवेंट में कियारा आडवाणी ने भी शिरकत की। इस फिल्म में वे अहम भूमिका निभा रही हैं। यश और नयनतारा दोनों ने कियारा की दिल खोलकर तारीफ की और कहा कि इस फिल्म को देखने के बाद आपको 'टॉक्सिक' से पहले की कियारा अलग लगेंगी। वहीं, खुद कियारा ने भी इसे अपने अब तक के करियर की सबसे शानदार फिल्म बताया। वे व्हाइट कलर के आउटफिट में ट्रेलर लॉन्च में पहुंचीं।

पहली बार वीगन डाइट अपनाने की सोच रहे हैं? इन बातों का रखें ध्यान

वीगन डाइट एक ऐसी डाइट है, जिसमें मांसाहारी और डेयरी उत्पादों का सेवन नहीं किया जाता। यह डाइट न केवल सेहत के लिए फायदेमंद होती है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी अच्छी होती है। अगर आप पहली बार वीगन डाइट अपनाने जा रहे हैं तो कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना जरूरी है, ताकि आपको कोई परेशानी न हो और आप स्वस्थ रह सकें। आइए वीगन डाइट अपनाने से पहले ध्यान रखने योग्य बातें जानते हैं।

पौष्टिक डाइट चुनें

वीगन डाइट में आपको अपनी खाने की योजना इस प्रकार बनानी होगी कि उसमें सभी जरूरी पोषक तत्व शामिल हों। इसमें प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, विटामिन- बी12 और ओमेगा-3 फैटी एसिड शामिल होने चाहिए।

इसके लिए आप दालें, चना, राजमा, हरी सब्जियां, सूखे मेवे, सोया उत्पाद और फलियों का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा फल और सब्जियों को अपनी डाइट में शामिल करें, ताकि आपको सभी जरूरी विटामिन और मिनरल मिल सकें।

धीरे-धीरे बदलाव करें

अगर आप अचानक से पूरी तरह से शाकाहारी डाइट पर आ जाते हैं तो यह आपके शरीर के लिए मुश्किल हो सकता है। बेहतर होगा कि आप धीरे-धीरे बदलाव करें। शुरुआत में सप्ताह में एक या 2 दिन शाकाहारी भोजन करें और फिर धीरे-धीरे इसे बढ़ाएं।

इस तरह आपका शरीर नए खाने के लिए तैयार रहेगा और आपको किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। धीरे-धीरे बदलाव करने से शरीर को भी अनुकूलन करने का समय मिलेगा।

पानी का सेवन बढ़ाएं

शाकाहारी डाइट में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जिससे पाचन तंत्र पर असर पड़ सकता है। इसके लिए जरूरी है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, ताकि पाचन तंत्र सही तरीके से काम कर सके।

दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए। इसके अलावा आप नारियल पानी, ताजे फलों का रस या हर्बल चाय भी पी सकते हैं। इससे आपका शरीर तरोताजा रहेगा और पाचन में कोई दिक्कत नहीं होगी।

सप्लीमेंट पर ध्यान दें

कुछ पोषक तत्व ऐसे होते हैं, जो केवल मांसाहारी खाने में मिलते हैं, जैसे विटामिन-बी12। इसलिए, जब आप वीगन डाइट अपनाएं तो इनकी कमी न हो, इसका ध्यान रखें। आप डॉक्टर की सलाह लेकर सप्लीमेंट ले सकते हैं या ऐसे खाने की चीजें अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं, जिनमें ये पोषक तत्व मौजूद हों।

इसके अलावा आयरन, कैल्शियम और ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी भी हो सकती है, इसलिए इनकी मात्रा पर भी नजर रखें।

विविधता बनाए रखें

एक ही प्रकार के खाने से शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, इसलिए अपने खाने में विविधता रखें। अलग-अलग प्रकार की सब्जियां, फलियां और अनाज आदि शामिल करें, ताकि हर प्रकार के पोषक तत्व मिल सकें।

इस तरह आप आसानी से वीगन डाइट अपना सकते हैं और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सकते हैं। इन सरल टिप्स को अपनाकर आप स्वस्थ रह सकते हैं और पर्यावरण को भी बचा सकते हैं।

खास-खबर

धमतरी में 1 जून से अब तक 678.9 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

धमतरी। जिले में मानसून के दौरान इस वर्ष अब तक सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून 2026 से 9 अगस्त 2026 तक जिले में औसत 678.9 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। इस अवधि में पिछले 10 वर्षों के आधार पर जिले की औसत वर्षा 620.7 मिलीमीटर है। इस प्रकार जिले में अब तक औसत वर्षा की तुलना में 109.4 प्रतिशत वर्षा दर्ज हुई है। तहसीलवार आंकड़ों के अनुसार धमतरी तहसील में 716.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। कुरूद में 649.6 मिलीमीटर वर्षा हुई है, जो औसत 579.2 मिलीमीटर का 112.2 प्रतिशत है। नगरी में 540.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है, जो औसत 598.5 मिलीमीटर का 90.3 प्रतिशत है। भखारा में 698.0 मिलीमीटर वर्षा हुई है, जो औसत 653.5 मिलीमीटर का 106.8 प्रतिशत है। कुकरेल में 684.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जो औसत 625.8 मिलीमीटर का 109.4 प्रतिशत है।

कलेक्टर अजीत वसंत ने उदयपुर का किया दौरा

अम्बिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने रविवार को विकासखण्ड उदयपुर का दौरा किया। उन्होंने मलेरिया प्रभावित क्षेत्र मतरिंगा पहुंचकर मौके पर स्थिति का जायजा लिया। क्षेत्र में जांच के दौरान वर्तमान में मलेरिया के तीन मरीज सामने आए हैं, जिनका उपचार जारी है। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं मैदानी अमले को प्रभावित क्षेत्र में सघन सर्वे करने के निर्देश दिए। उन्होंने घर-घर जाकर लोगों की स्वास्थ्य जांच करने, संदिग्ध मरीजों के तत्काल सैंपल लेने तथा पॉजिटिव पाए जाने पर समय पर उपचार सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने कहा कि इस हेतु मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, रोजगार सहायक, सचिव सभी को निर्देशित करें। स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी लगाएं, प्रत्येक परिवार की जांच हो। उन्होंने मलेरिया की रोकथाम के लिए आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई, जलभराव वाले स्थानों की पहचान और मच्छरों के नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाने कहा।

सेवा सेतु से छात्रा संजना को मिला जाति प्रमाण पत्र

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं को पारदर्शी, सरल और आम नागरिकों की पहुंच में लाने के उद्देश्य से संचालित सेवा सेतु योजना लोगों के लिए सुविधाजनक साबित हो रही है। जिले के भैयाथान तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत करोंदामूड़ा निवासीनवानंद ने अपनी पुत्री कुमारी संजना का जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन किया। आवेदन के कुछ ही दिनों बाद उन्हें जाति प्रमाण पत्र सहजता से प्राप्त हो गया। नवानंद बताते हैं कि पहले जाति सहित अन्य आवश्यक प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लोगों को संबंधित कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे। इसमें समय और मेहनत दोनों लगते थे।

छत्तीसगढ़ में रेलवे प्रोजेक्ट्स पर केन्द्र मेहरबान सात हजार करोड़ से ज्यादा बढ़ा सालाना बजट

इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट से लेकर नए ट्रैक व ट्रेनों की संख्या बढ़ी, लगातार हो रहे काम

हर्षित अग्रवाल

भिलाई। छत्तीसगढ़ में रेलवे प्रोजेक्टस को लेकर केन्द्र सरकार का काफी मेहरबान है। सीएम साय के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार में उत्तर से लेकर दक्षिण छत्तीसगढ़ तक रेलवे प्रोजेक्ट पर बढ़चढ़ कर काम हो रहा है। इंडियन रेलवे ने छत्तीसगढ़ में विस्तार कार्य ऐसी तेज़ी लाई जिसके कारण सालाना बजट खर्च 7,470 करोड़ तक पहुंच गया।जो 2014 से पहले की तुलना में राज्य के लिए औसत सालाना बजट आवंटन में 24 गुना बढ़ोतरी हुई है। रेल मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और ट्रैक विस्तार को काफी बढ़ाया है, जिससे 2014 से पहले के लेवल की तुलना में राज्य के लिए औसत सालाना बजट आवंटन में 24 गुना बढ़ोतरी हुई है।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पिछले दिनों राज्यसभा में एक सवाल का जवाब देते हुएछत्तीसगढ़ में चल रहे बड़े रेल बदलाव के बारे में बताया, जिसमें आदिवासी, पिछड़े और मिनरल से भरपूर जिलों के लिए रीजनल पैसेंजर कनेक्टिविटी बढ़ाने और माल ढुलाई बढ़ाने पर खास ध्यान दिया गया है। रेल मंत्री ने छत्तीसगढ़ में रेलवे प्रोजेक्टस को लेकर पूरे आंकड़े रखे। बजट आवंटन से लेकर वर्तमान में हो रहे कार्यों का पूरा लेखा जोखा प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में वर्तमान में रेलवे के विस्तार के लिए जो कार्य हो रहे हैं वे पिछले कई दशकों में नहीं हुए। इसका पूरा श्रेय प्रदेश की डबल इंजन की सरकार को जाता है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और ट्रैक विस्तार और बजट में बढ़ोतरी

छत्तीसगढ़ में इंफ्रास्ट्रक्चर और सेफ्टी प्रोजेक्ट्स के लिए साल 2009-2014 सालाना बजट खर्च औसतन 311 करोड़ रुपए था। जो की वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 7,470 करोड़ हो गया है। एवरेज नए ट्रैक कमीशनिंग 17 गुना बढ़ गए हैं। साल 2009-2014 तक 6.4 km औसतन से बढ़कर साल 2014-2026 तक 109.29 Km तक पहुंच गया। कुल 1311 Km नए ट्रैक का निर्माण हो रहा है। 1 अप्रैल, 2026 तक, राज्य में 36 प्रोजेक्ट्स (8 नई लाइनें और 28 डबलिंग प्रोजेक्ट्स) 2,398 km में फैले हुए हैं, जिनकी कुल मंज़ूर लागत 48,202 करोड़ है। इसमें से 1151 किमी पहले ही कमीशन हो चुका है।

आदिवासी और दूर-दराज के इलाकों तक पहुंच बढ़ाना

बिना सर्विस वाले इलाकों में नेटवर्क कवरेज को और बढ़ाने के लिए, हाल के सालों में 2,455 Km को कवर करने वाले 14 फाइनल लोकेशन सर्वे को मंज़ूरी दी गई है। ज़रूरी रूट्स के लिए डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट पहले ही तैयार कर ली गई हैं। रेल प्रोजेक्ट्स को मंज़ूरी देने और उन्हें पूरा करने में मुश्किल बातें शामिल होती हैं, जैसे जंगल की मंज़ूरी, ज़मीन का अधिग्रहण, यूटिलिटी शिफ्टिंग और जियोलॉजिकल फैक्टर। इंडियन रेलवे ऑपरेशनल रुकावटों को सिस्टमैटिक तरीके से दूर करने और छत्तीसगढ़ के लोगों को वर्ल्ड-क्लास रेल इंफ्रास्ट्रक्चर देने के अपने कमिटमेंट पर कायम है।

छत्तीसगढ़ में चल रहे रेलवे प्रोजेक्ट्स पर एक नजर

हाल ही में पूरे हुए मुख्य काम

- दल्लीराजहरा-रावघाट नई लाइन (95 Km) -1,628 करोड़ की लागत से पूरी हुई, जो स्टील प्लांट्स को ज़रूरी रॉ मटेरियल सोर्स से जोड़ने के लिए बहुत ज़रूरी है।
- चंपा-झारसुगुड़ा तीसरी लाइन (152 Km) -1,227 करोड़ का प्रोजेक्ट, जो हैवी फ्रेट कॉरिडोर को बेहतर बनाएगा।
- रायपुर-टिटलागढ़ डबलिंग (203 Km) - 1,171 करोड़ में पूरा हुआ।
- खरसिया-कोरीछापर नई लाइन (43 Km) - खास माइनिंग बेल्ट को सर्विस देने के लिए 851 करोड़ में बनी।

इन प्रोजेक्ट्स पर हो रहा काम

- खरसिया-परमलकासा नई डबल लाइन (278 Km) - 7,854 करोड़ का खर्च।
- गेवरा रोड-पेंड्रा रोड नई लाइन (135 Km) -?3,724 करोड़।
- रावघाट-जगदलपुर नई लाइन (140 Km) -बस्तर में गहरे रेल लिंक बढ़ाने के लिए 3,513 करोड़।
- खरसिया-धरमजयगढ़ नई लाइन (122 Km) - 3,407 करोड़।
- अंबिकापुर-रामानुजगंज-गढ़वा रोड / बरवाडीह (262 Km)
- सरडेगा-पत्थलगांव-अंबिकापुर (218 Km)
- धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा (292 Km)
- गढ़चिरौली-बीजापुरङ्कबचेली (490 Km),
- कोठागुडेम-किरंदुल (180 Km)
- धमतरी-बांसकोट-अमरावती-कोंडागांव (183 Km)

हाई-स्पीड और मॉडर्न फ्लीट

- छत्तीसगढ़ में अभी 2 जोड़ी प्रीमियम वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें (दुर्ग-विशाखापत्तनम और बिलासपुर-नागपुर) और 1 जोड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस (उधना-ब्रह्मपुर) चलती हैं।
- रीजनल कनेक्टिविटी के लिए ज़रूरी MEMU और DEMU पैसेंजर सर्विस लोकल ब्रांच पर शुरू की गई हैं, जिसमें रायपुर-अंतागढ़ DEMU और रायपुर, राजिम और अभनपुर के कई रूट शामिल हैं।
- आने वाले दिनों धमतरी व कोंडागांव तक रीजनल कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव में जटिल गर्भाशय ट्यूमर की सफल सर्जरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग ने एक जटिल एवं चुनौतीपूर्ण शल्य चिकित्सा को सफलतापूर्वक संपन्न कर जिले में उपलब्ध विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं की उत्कृष्टता का परिचय दिया है। विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने एक महिला के गर्भाशय के बाहर विकसित हुए विशाल ब्रॉड लिगामेंट फाइब्रॉयड (ट्यूमर) का सफल ऑपरेशन कर उसे नई उम्मीद दी।

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ. मीना आरमो ने बताया कि यह ट्यूमर ब्रॉड लिगामेंट फाइब्रॉयड था, जो कैंसर नहीं होता है। यह सामान्य फाइब्रॉयड की तरह गर्भाशय के भीतर न होकर गर्भाशय के बाहर बांई ओर स्थित था। इसका आकार लगभग 26 सप्ताह के शिशु के समान था। ट्यूमर के आसपास मूत्रवाहिनी (यूरेटर) तथा प्रमुख रक्त वाहिकाएं होने के कारण इसकी सर्जरी अत्यंत जटिल एवं चुनौतीपूर्ण मानी जाती है।

उन्होंने बताया कि महिला की यूएसजी एवं सीटी स्कैन रिपोर्ट में गर्भाशय कैंसर की संभावना व्यक्त की गई थी, जिसके आधार पर स्टेजिंग लैप्रोटॉमी की योजना बनाई गई थी। लेकिन ऑपरेशन के दौरान पेट में चीरा लगाने के बाद स्पष्ट हुआ यह कैंसर नहीं, बल्कि ब्रॉड लिगामेंट फाइब्रॉयड है। इसके बाद विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अत्यंत सावधानी एवं दक्षता के साथ ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाल दिया। ऑपरेशन के उपरांत गर्भाशय, ट्यूब, अंडाशय एवं ट्यूमर के नमूनों को आवश्यक जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया। वर्तमान में मरीज की स्थिति पूरी तरह स्थिर है तथा वह तेजी से स्वस्थ हो रही है।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में नियमित रूप से जटिल स्त्री रोग संबंधी शल्य चिकित्साएं आधुनिक तकनीकों एवं मानक उपचार पद्धतियों के अनुरूप की जा रही हैं। इससे जिले एवं आसपास के क्षेत्रों की महिलाओं को उच्चस्तरीय विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध हो रहा है।

अधिक कीमत पर यूरिया बेचने पर अन्नपूर्णा खाद भंडार सील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। किसानों को रासायनिक उर्वरक निर्धारित दर पर उपलब्ध कराने के लिए जशपुर जिले में कृषि विभाग द्वारा लगातार निगरानी और जांच की जा रही है। इसी क्रम में निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर यूरिया बेचे जाने की शिकायत पर कृषि विभाग पत्थलगांव की टीम ने पत्थलगांव विकासखंड स्थित अन्नपूर्णा खाद भंडार का निरीक्षण एवं सत्यापन किया।

जांच के दौरान निर्धारित दर से अधिक कीमत पर यूरिया का विक्रय किए जाने की पुष्टि हुई। मामले को गंभीरता से लेते हुए कृषि विभाग ने उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 के प्रावधानों के उल्लंघन पर संबंधित प्रतिष्ठान के विरुद्ध कार्रवाई की। अन्नपूर्णा खाद भंडार को 7 दिनों के लिए सील कर दिया गया है। साथ ही संबंधित उर्वरक विक्रेता से मामले में जवाब भी मांगा गया है। कार्रवाई के दौरान आरके पैंकरा, जीवन एक्का, कृषि विकास अधिकारी कृष्ण कुमार चौधरी उपस्थित रहे।

डिप्टी सीएम शर्मा ने सौंपे पीएम आवास के स्वीकृति पत्र

कवर्धा के 25 हितग्राहियों को मिला पीएम आवास

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के नगर पालिका परिषद कवर्धा अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के तहत शहर के 25 हितग्राहियों को आवास निर्माण के लिए स्वीकृति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल मकान बनाना नहीं, बल्कि हर जरूरतमंद परिवार को सम्मान, सुरक्षा और बेहतर जीवन की बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला रही है। शासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ यह सुनिश्चित करने में जुटी है कि कोई भी पात्र परिवारों को आवास योजना का लाभ मिले।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के तहत स्वीकृति पत्र प्राप्त करने वाले हितग्राहियों में मीना बाई देवागंन, धर्मेन्द्र कुमार चन्द्रवंशी, द्रोपती देवागंन, मीना बाई, योगेश चन्द्रवंशी, बुधेलाल निषाद, साहिदा खातून, प्रमोद साहू, द्वारिका चन्द्रवंशी, लक्ष्मी चन्द्रवंशी, परमानंद साहू, कमलेश चन्द्रवंशी, मुकेश चन्द्रवंशी, राजबाई सत्यवंशी, सकुन निषाद, अमिता केशरवानी, विमलेश कुम्भकार, पुनीता बाई भारती, सीता देवागंन, अजय सिंह ठाकुर, संजय यादव, मन्नू सिंह चौहान, ओमनाथ योगी, स्वेता देवी पाण्डे और भुखन लाल कौशिक शामिल हैं। इस अवसर पर हितग्राहियों ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से अपने पक्के घर का सपना देख रहे थे और अब स्वीकृति पत्र मिलने से उनका सपना साकार हुआ।

शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकास को मिल रही गति, वित्तमंत्री ने किया विकास कार्यों का लोकार्पण

आगामी पांच वर्षों में पिछले 20-25 वर्षों से अधिक विकास कार्य कराने का संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओपी चौधरी ने शनिवार को रायगढ़ जिले के पुसौर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर 1 करोड़ 92 लाख 7 हजार रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इन कार्यों में आंगनबाड़ी भवन, मंगल भवन, सामुदायिक भवन, सांस्कृतिक मंच, शासकीय विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष, खेल मैदान में अहाता और शेड निर्माण जैसे जनोपयोगी कार्य शामिल हैं।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि गांवों का विकास सरकार की प्राथमिकता है। विकास का वास्तविक लाभ तभी है, जब उसकी सुविधा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। पुसौर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में जिन विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया है, वे सीधे ग्रामीणों की आवश्यकताओं से जुड़े हैं। आंगनबाड़ी भवनों से बच्चों को बेहतर वातावरण मिलेगा, विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षों से विद्यार्थियों के लिए अध्ययन-अध्यापन की सुविधाएं बढ़ेंगी, वहीं मंगल भवन, सामुदायिक भवन और सांस्कृतिक मंच ग्रामीणों के सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के लिए उपयोगी साबित होंगे।

मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकास की गति को लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। गांवों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ ऐसी अधोसंरचना विकसित की जा रही है।

लारा और लोहाखान में 94.97 लाख रुपये के कार्यों का भूमिपूजन

पुसौर क्षेत्र के ग्राम पंचायत लारा में 7.25 लाख रुपये की लागत से शेड निर्माण तथा डीपापारा में 31.55 लाख रुपये की लागत से मंगल भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इन दोनों कार्यों की कुल लागत 38.80 लाख रुपये है। मंगल भवन के निर्माण से ग्रामीणों को सामाजिक एवं सामुदायिक आयोजनों के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा। इसी क्रम में ग्राम लोहाखान में 14.35 लाख रुपये की लागत से आंगनबाड़ी भवन, 10.27 लाख रुपये की लागत से शासकीय प्राथमिक शाला में दो अतिरिक्त कक्ष तथा 31.55 लाख रुपये की लागत से मंगल भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इन कार्यों की कुल लागत 56.17 लाख रुपये है। आंगनबाड़ी भवन से बच्चों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, जबकि अतिरिक्त कक्षों के निर्माण से विद्यालय में अध्ययन-अध्यापन के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध होगा।

देवलसुर्रा और दर्रीपाली में शिक्षा व सांस्कृतिक सुविधाओं का विस्तार

ग्राम देवलसुर्रा में 14.35 लाख रुपये की लागत से आंगनबाड़ी भवन तथा 5.50 लाख रुपये की लागत से बीच बस्ती में सांस्कृतिक मंच निर्माण का भूमिपूजन किया गया। इससे बच्चों के लिए बेहतर आंगनबाड़ी सुविधा उपलब्ध होने के साथ ग्रामीणों को सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के लिए उपयुक्त स्थान मिलेगा। वहीं ग्राम दर्रीपाली में 14.35 लाख रुपये की लागत से आंगनबाड़ी भवन, 13.10 लाख रुपये की लागत से क्रिकेट ग्राउंड में अहाता निर्माण तथा 10.27 लाख रुपये की लागत से प्राथमिक शाला में अतिरिक्त कक्ष निर्माण का भूमिपूजन किया गया। इन कार्यों की कुल लागत 37.72 लाख रुपये है। क्रिकेट ग्राउंड में अहाता निर्माण से खेल मैदान को व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी।ß अतिरिक्त कक्ष से बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्राप्त होगा।

महलोई और आरमुड़ा में भी विकास कार्यों को मिली गति

ग्राम पंचायत महलोई में 15.18 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। यह भवन ग्रामीणों के सामाजिक, सार्वजनिक एवं सामुदायिक आयोजनों के लिए उपयोगी होगा। इसके साथ ही महलोई में उप स्वास्थ्य केंद्र के सामने 10 लाख रुपये की लागत से निर्मित शेड का लोकार्पण किया गया। इससे स्वास्थ्य केंद्र आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को सुविधा मिलेगी।

नारायणपुर में आत्मसमर्पित 50 युवाओं के लिए 70.68 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि मंजूर

नारायणपुर। हिंसा का मार्ग त्यागकर समाज की मुख्यधारा में लौटने वाले युवाओं के जीवन में नया उजियारा लाने की दिशा में नारायणपुर जिले ने एक और मील का पत्थर हासिल किया है। शासन की पुनर्वास नीति से प्रेरित होकर शस्त्रों के साथ आत्मसमर्पण करने वाले 50 पूर्व कैडर के लिए कुल 70 लाख 68 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। इसी पहल के तहत 07 अगस्त को नगर पालिका अध्यक्ष एवं कलेक्टर ने 13 आत्मसमर्पित युवाओं को उनके द्वारा समर्पित हथियारों के एवज में 24 लाख 30 हजार 600 रुपए की प्रोत्साहन राशि ससम्मान वितरित की।

खास खबर

पत्थर खदान में नहाने के दौरान युवक डूबा, 30 फीट गहराई से शव बरामद किया

बेमेतरा। बेरला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चंडी भाठा स्थित पत्थर खदान में नहाने के दौरान एक 22 वर्षीय युवक की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। 9 अगस्त को चार दोस्त खदान में नहाने गए थे, इसी दौरान हर्ष दास गहरे पानी में चला गया और डूब गया। एसडीआरएफ की टीम 10 अगस्त की सुबह करीब 5:30 बजे घटनास्थल के लिए रवाना हुई और मौके पर पहुंचकर तलाशी अभियान शुरू किया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान एसडीआरएफके डीप डाइविंग विशेषज्ञ राजकुमार यादव और चंद्रप्रताप जंघेल ने करीब 30 फीट गहरे पानी में डीप डाइविंग कर युवक की तलाश की। सुबह 8:15 बजे टीम को सफलता मिली और युवक का शव बरामद कर लिया गया। शव को आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। मृतक की पहचान हर्ष दास, पिता उम्र 22 वर्ष, निवासी रायपुर के रूप में हुई है।

48 घंटे में खुली मोबाइल शॉप चोरी की गुत्थी आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। कोरबा के उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम बरपाली में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के पास स्थित प्रमोद कंप्यूटर एंड मोबाइल शॉप में हुई चोरी का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। सीसीटीवी फुटेज के सूक्ष्म विश्लेषण और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत दो विधि से संघर्षरत बालकों को पकड़ लिया। आरोपियों के कब्जे से चोरी में प्रयुक्त लोहे की सरिया, घटना में इस्तेमाल स्कूटी और 9 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। प्रार्थी की शिकायत पर उरगा थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 449/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 331(4) और 305(ए) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज में तीन युवक एक दोपहिया वाहन से आते दिखाई दिए। एक युवक वाहन लेकर सड़क पर खड़ा रहा, जबकि दो अन्य ने शटर का ताला तोड़कर दुकान में प्रवेश किया। फुटेज में आरोपियों के चेहरे और वाहन का नंबर भी स्पष्ट दिखाई दिया। पुलिस ने दबिश देकर युवराज सिंह राजपूत (19) को गिरफ्तार किया।

सूदखोरों से परेशान महिला ने खाया जहर, पुलिस ने शुरू की जांच

रायपुर। राजधानी रायपुर में ब्याज की रकम को लेकर कथित प्रताड़ना से परेशान एक महिला के जहर खाने का मामला सामने आया है। उसे इलाज के लिए मेकाहारा अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह मौदहापारा थाना क्षेत्र का मामला है। लगातार हो रही इस कथित प्रताड़ना के कारण महिला मानसिक रूप से परेशान थी। महिला ने जहर खाने से पहले एक सुसाइड नोट भी लिखा है। परिजनों ने पुलिस को बताया कि महिला से करीब 6 तोला सोना लेने के बाद भी उसे लगातार परेशान किया जा रहा था। हालांकि, सुसाइड नोट और परिजनों के आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।

ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस की कार्रवाई, मवेशी काटने वाले 8 आरोपी पकड़े गए, 1 फरार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में जंगल में मवेशी काटने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और 8 संदिग्धों को हिरासत में लिया। वहीं, एक आरोपी मौका पाकर फरार हो गया। घटना कापू थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम पारेमेर डगभौना के जंगल में कुछ लोग मवेशी को काट रहे थे। बताया जा रहा है कि मांस को खाने के लिए आपस में बांटने की तैयारी थी। इसी दौरान ग्रामीणों को इसकी जानकारी हुई और उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी की। पुलिस को देखकर संदिग्धों ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने 8 लोगों को पकड़ लिया। वहीं, एक

आरोपी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। सभी आरोपियों को पूछताछ के लिए कापू थाना लाया। मौके से मांस भी जब्त किया गया है।

पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम अर्जुन तिर्की (25), विजय टोप्पो (26), अमसाय तिर्की (48), जोहन टोप्पो (50), विपिन किशोर एक्का (33), निर्मल तिग्गा (60), छोटेया किंडो (65) और प्रकाश बखला (41) बताया। सभी डगभौना के निवासी हैं। आरोपियों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि मरे हुए मवेशी को काटा जा रहा था। हालांकि, पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। धरमजयगढ़ एसडीओपी सुशांतो बनर्जी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपियों को हिरासत में लिया और पूछताछ के लिए थाने लाया गया। आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

म्यूल खाता धारकों पर फिर बड़ी कार्रवाई सुपेला व भिलाई नगर में 13 हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। साइबर ठगी की रकम के लेन-देन में प्रयुक्त म्यूल बैंक खातों पर भिलाई में फिर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सुपेला व भिलाई नगर पुलिस ने कुल 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कमीशन के लालच में बैंक खाता, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं सिम कार्ड उपलब्ध कराने का तथ्य सामने आया और इसके बाद यह गिरफ्तारी हुई। आरोपियों के बैंक खातों में 10 लाख रुपये से अधिक राशि का ट्रांजेक्शन मिला।

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार साइबर अपराधों एवं म्यूल बैंक खातों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत दुर्ग पुलिस द्वारा थाना सुपेला, थाना भिलाई नगर एवं एसीसीयू की संयुक्त कार्रवाई में कुल 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपीगण अपने एवं अन्य व्यक्तियों के बैंक खातों को कमीशन/प्रतिफल के लालच में साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि के लेन-देन एवं हस्तांतरण के लिए उपलब्ध करा रहे थे। एजेंटों के माध्यम से बैंक खातों से संबंधित पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं सिम कार्ड प्राप्त कर साइबर अपराधियों तक पहुंचाए जाते थे।

जांच में यह भी सामने आया कि संबंधित खाताधारकों द्वारा 2,000 से 15,000 तक के कमीशन/प्रतिफल के बदले अपने बैंक खातों से संबंधित दस्तावेज एवं साधन अन्य व्यक्तियों को उपलब्ध कराए गए। इन खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि को विभिन्न बैंक खातों में स्थानांतरित करने एवं छिपाने के लिए किया गया। प्राप्त तकनीकी साक्ष्यों, बैंक खातों के विश्लेषण एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर दिनांक 09.08.2026 को थाना सुपेला में धारा 318(2), 318(3), 318(4) बीएनएस के तहत 10 आरोपियों तथा थाना भिलाई नगर में धारा 318(2), 318(3), 318(4) बीएनएस के तहत 03 आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई है।

उक्त कार्रवाई में थाना सुपेला, थाना भिलाई नगर एवं एसीसीयू की पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम द्वारा बैंक खातों के लेन-देन का तकनीकी विश्लेषण, उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण एवं आरोपियों की पहचान कर उन्हें विधिवत गिरफ्तार करने में प्रभावी कार्रवाई की गई।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

अनिरुद्ध बेसरा, उम्र 26 वर्ष, निवासी सेक्टर-5, भिलाई।
डिकेश साहू उर्फ गोल्डी, उम्र 23 वर्ष, निवासी नया पारा, उतई।
संदीप खन्ना, उम्र 24 वर्ष, निवासी रामनगर, सुपेला।
दिलबाग सिंह, उम्र 30 वर्ष, निवासी बम्लेश्वरी मंदिर के पास, सुपेला।
शिव कुमार, उम्र 32 वर्ष, निवासी सेक्टर-11, खुर्सीपार।
सुमीत कुमार, उम्र 26 वर्ष, निवासी केएलसी 39/1, खुर्सीपार।
रेहान कुरैशी, उम्र 20 वर्ष, निवासी मछली मार्केट, छावनी।
ललीत कुमार, उम्र 24 वर्ष, निवासी तेलहा नाला, खुर्सीपार।
भोज कुमार देवांगन, उम्र 24 वर्ष, संतोषी पारा, भिलाई।
धनेश्वर यादव, उम्र 21 वर्ष, निवासी कृष्णा चौक, जामुल।
अमित कुमार, उम्र 43 वर्ष, निवासी अम्बेडकर चौक, मरौदा।
गोपी सोनी, उम्र 21 वर्ष, निवासी बजरंग पारा, भिलाई-3।
प्रीति उपाध्याय, निवासी शांति नगर।

ट्रेन से गांजा तस्करी करने वाले को 12 साल कैद, रेलवे स्टेशन पर पकड़ा गया था आरोपी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। ट्रेन में 22 किलो गांजा रखने के मामले में विशेष न्यायाधीश रायपुर की अदालत ने आरोपी कैलाश सहनी को दोषी ठहराते हुए 12 साल के सश्रम कारावास और 2 लाख रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। मामला अप्रैल 2021 का है। आरोपी को महासमुंद रेलवे स्टेशन पर गांजा के साथ पकड़ा गया था।

अभियोजन के अनुसार, 8 अप्रैल 2021 को ट्रेन नंबर 08518 स्पेशल एक्सप्रेस महासमुंद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर पहुंची थी। ट्रेन में तैनात स्टाफ ने दो संदिग्धों को चार बैग के साथ पकड़ा। पूछताछ में उनकी पहचान बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी कैलाश सहनी और संतोष कुमार के रूप में हुई।

तलाशी के दौरान कैलाश सहनी के दो बैग से 7 पैकेट और संतोष कुमार के बैग से 5 पैकेट मिले। पैकेटों को खोलने पर उनमें गांजा मिला। मौके पर तौल करने पर कैलाश के कब्जे से 22 किलो और संतोष के कब्जे से 17.650 किलो, कुल 39.650 किलो गांजा बरामद हुआ था। पूछताछ में दोनों ने गांजा भाटापारा के रास्ते दिल्ली ले जाने की बात बताई थी। मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(b)(ii)(C) के तहत प्रकरण दर्ज कर चालान कोर्ट में पेश किया गया।

मामले में सह आरोपी संतोष कुमार लगातार कोर्ट में उपस्थित नहीं हुआ। उसके खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी कर उसे फरार घोषित किया गया है। इसलिए अदालत ने कैलाश सहनी के संबंध में ही फैसला सुनाया।

अभियोजन ने मामले में 7 गवाहों के बयान दर्ज कराए। इनमें स्वतंत्र गवाहों के साथ पुलिस अधिकारी और जांच अधिकारी भी शामिल थे। सुनवाई के बाद विशेष न्यायाधीश किरण थवाईत ने कैलाश सहनी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

महिला से गैंगरेप : शराब पिलाकर अलग अलग जगह ले गए आरोपी, 3 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बिलासपुर जिले के चकरभाठा इलाके की रहने वाली महिला ने आरोप लगाया है कि कुछ युवकों ने पहले उसे शराब पिलाई और इसके बाद शहर के अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग के भी शामिल होने की जानकारी सामने आई है।

महिला की शिकायत के मुताबिक, घटना की शुरुआत सरोना स्थित शराब भट्ठी के पास हुई। आरोपियों ने वहां महिला को शराब पिलाई। इसके बाद उसकी हालत का फायदा उठाकर उसे अलग-अलग जगहों पर ले जाया गया।

आरोप है कि आरोपियों ने महिला के साथ आपत्तिजनक हरकत की और उसकी इच्छा के विरुद्ध वारदात को अंजाम दिया।

महिला के अनुसार, आरोपियों ने उसे आरडी तिवारी स्कूल के मैदान में भी ले गए। यहां सुनसान हिस्से में उसके साथ दोबारा सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का आरोप है। घटना के बाद महिला ने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई।

पीड़िता की शिकायत पर आजाद चौक थाने में जीरो पर मामला दर्ज किया गया। चूंकि घटना का क्षेत्र डीडी नगर थाना अंतर्गत आता है, इसलिए केस आगे की कार्रवाई के लिए वहां ट्रांसफर किया गया।

पुलिस ने शिवा, आयुष और दुर्गा को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। साथ ही घटनास्थल, मेडिकल रिपोर्ट और पीड़िता के बयान के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद होगी।

सागौन बाड़ी में महिला की अर्धनग्न व जली हुई लाश मिलने से इलाके में फैली सनसनी

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। डूमरमुड़ा गांव की सागौन बाड़ी में एक अज्ञात महिला की अर्धनग्न और जली हुई लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

शव की हालत देखकर प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध माना जा रहा है। घटनास्थल पर टूटी हुई चूड़ियां और बिखरे रुपये मिलने से पुलिस भी कई एंगल से जांच में जुट गई है। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करने के बाद शव का पंचनामा कराया और उसे कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सुरक्षित रखवाया है। फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो सकी है। सागौन बाड़ी में महिला का शव अर्धनग्न

अवस्था में जला हुआ मिला। घटनास्थल पर महिला की टूटी हुई चूड़ियां और कुछ रुपये भी बिखरे हुए पाए गए। इन परिस्थितियों ने पूरे मामले को और रहस्यमय बना दिया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। महिला की पहचान कौन है, वह वहां कैसे पहुंची और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, पुलिस इन सभी सवालों के जवाब तलाश रही है। शव की संदिग्ध स्थिति को देखते हुए दुष्कर्म के बाद हत्या किए जाने की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि, इस संबंध में अभी पुलिस की ओर से किसी निष्कर्ष की पुष्टि नहीं की गई है। महिला के साथ वास्तव में क्या हुआ, इसका खुलासा पोस्टमार्टम और फोरेंसिक जांच के बाद ही हो सकेगा।

पुलिस घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को जुटा रही है और आसपास के इलाकों में भी पूछताछ की जा रही है। महिला की पहचान होने के बाद जांच को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है।

महिला की हत्या के बाद शव को जलाने की कोशिश की गई या महिला की मौत किसी अन्य परिस्थिति में हुई, यह भी जांच का अहम बिंदु है। पुलिस इस बात की पड़ताल कर रही है कि घटनास्थल पर आग कैसे लगाई गई और शव को वहां लाने वाला कौन था। टूटी चूड़ियां, बिखरे रुपये और शव की स्थिति को पुलिस संभावित साक्ष्यों के तौर पर देख रही है। घटनास्थल से मिले प्रत्येक सुराग की जांच की जा रही है।

फिलहाल पुलिस ने शव को सुरक्षित रखवा दिया है और महिला की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के गांवों में किसी महिला के लापता होने की जानकारी भी जुटाई जा सकती है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही महिला की मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो पाएगी।

वेलनेस स्पा सेंटर में चल रहा था सेक्स रैकेटः पुलिस की रेड में 9 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के जुनवानी इलाके में वेलनेस स्पा सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था। यहां आने वाले कस्टमर से पैसे लिए जाते थे। इसके बाद महिला दलाल के जरिए महिलाओं को बुलाकर ग्राहकों से संपर्क कराया जाता था। स्पा सेंटर का मैनेजर खुद इस पूरी गतिविधि को संचालित करता था।

मामला स्मृतिनगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने सूचना के आधार पर ली वेलनेस स्पा सेंटर में रेड की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 'ली स्पा सेंटर' के मैनेजर और महिला दलाल समेत 9 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने मौके से करीब 4 लाख रुपए कीमत के 19 मोबाइल फोन और देह व्यापार से जुड़ी अन्य

सामग्री भी जब्त की है। मामले में पुलिस आगे की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, स्मृतिनगर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जुनवानी स्थित ली वेलनेस स्पा सेंटर में स्पा की आड़ में देह व्यापार चलाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने टीम बनाई और सेंटर पर दबिश दी। पुलिस की कार्रवाई के दौरान मौके पर कई लोग मिले, जिनमें स्पा सेंटर का मैनेजर, महिला दलाल, ग्राहक और अन्य लोग शामिल थे।

मैनेजर पैसे लेकर ग्राहकों को महिलाओं से कराता था संपर्क

पुलिस जांच में सामने आया कि स्पा सेंटर का मैनेजर तनय सोनी पैसे लेकर महिलाओं को देह व्यापार के लिए ग्राहकों को उपलब्ध कराता था। वहीं, महिला दलाल हेमा सिंह उर्फ प्रीत के जरिए लड़कियों को बुलाया जाता था। पुलिस के अनुसार, ग्राहकों से संपर्क कराने और पूरी गतिविधि को संचालित करने में मैनेजर की भूमिका सामने आई है।

19 मोबाइल और कैश जब्त

रेड के दौरान पुलिस ने मौके से 19 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। पुलिस ने इनकी कीमत करीब 4 लाख रुपए बताई है। इसके अलावा ग्राहकों से प्राप्त 1900 रुपए नगद भी मिले। पुलिस ने ग्राहकों और देह व्यापार के लिए आने वाले लोगों की जानकारी से जुड़ी सामग्री, आपत्तिजनक सामग्री और अन्य दस्तावेज भी जब्त किए हैं।

9 आरोपियों को गिरफ्तार किया

पुलिस ने मामले में तनय सोनी (23), हेमा सिंह उर्फ प्रीत (32), रूपेन्द्र जंघेल (39), रितिक सोनी (26), दिनेन्द्र कुमार सोनी (27), हेमंत सिन्हा (28), अविनाश शर्मा उर्फ अभी (32), आनंद कुमार (31) और अरुण पांडेय (24) को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी दुर्ग-भिलाई के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, स्पा सेंटर में आने वाले ग्राहकों से पैसे लिए जाते थे। इसके बाद महिला दलाल के जरिए महिलाओं को बुलाकर ग्राहकों से संपर्क कराया जाता था। स्पा सेंटर का मैनेजर इस पूरी गतिविधि को संचालित करता था। पुलिस ने मौके से मिले मोबाइल और दस्तावेजों के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्मृतिनगर पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम, 1956 की धारा 3, 4, 5 और 7 के तहत कार्रवाई की है।

चिकन-दुकान पर गाली देने से रोका, युवक ने किया कैंची से हमला, 3 आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। कोरबा पुलिस के 'सजग कोरबा, सतर्क कोरबा' अभियान के तहत अपराधों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सहायता केंद्र मानिकपुर और थाना कोतवाली पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक मामले में घटना में इस्तेमाल कैंची और दूसरे मामले में 6 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब बरामद की है। पहला मामला मारपीट और कैंची से हमला करने का है। 8 अगस्त को मुड़ापार बाजार के पास एक मुर्गा दुकान में कुछ युवक गाली-गलौज कर रहे थे। दुकानदार ने उन्हें ऐसा करने से मना किया, तो एक युवक ने उस पर कैंची से हमला कर दिया।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों के मेमोरेंडम कथन के आधार पर घटना में इस्तेमाल कैंची बरामद कर जब्त की गई। जप्ती की पूरी कार्रवाई ई-साक्ष्य ऐप के माध्यम से रिकॉर्ड की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुड़ापार रामनगर निवासी फैजान खान (19), और मुड़ापार निषादपारा निवासी निखिल थवाईत (19)के रूप में हुई है। दोनों मानिकपुर थाना क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। दूसरी कार्रवाई अवैध महुआ शराब के खिलाफ की गई। 9 अगस्त को मानिकपुर सहायता केंद्र की पेट्रोलिंग टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि कदमहाखार उरांव बस्ती निवासी झंगलू उरांव अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब बेच रहा है। मौके पर दबिश दी और झंगलू उरांव को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 6 लीटर कच्ची महुआ शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 600 रुपये है, और शराब बिक्री से मिले 100 रुपए नकद बरामद किए गए।

पुलिस ने बरामद शराब को विधिवत जब्त कर आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

गांजा बेचने ग्राहक का इंतजार कर रहा आरोपी गिरफ्तार, 1.148 किलो गांजा जब्त

दुर्ग। नशे और अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कुम्हारी पुलिस ने गांजा बिक्री के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1.148 किलोग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 57,400 रुपये है, बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुजीत बेसरा (30 वर्ष), पिता स्वर्गीय धनीराम, निवासी रूपनगर नगर, कुम्हारी, थाना कुम्हारी के रूप में हुई है।

खास खबर

कभी भी खोला जा सकता है मिनीमाता बांगो का गेट

सक्ती। मिनीमाता बांगो जलाशय में बारिश के साथ ही जलभराव में वृद्धि हुई है। कार्यपालन अभियंता एसके भारती ने बताया कि जलाशय में जलभराव 89.55 प्रतिशत है। जलाशय में पानी की आवक बढ़ने पर कभी भी मिनीमाता जलाशय का गेट खोलकर पानी बहाया जा सकता है। आवश्यकता होने पर मिनी माता बांगो बांध माचाडोली से हसदेव नदी में पानी प्रवाहित किया जायेगा। अतः बांध से नीचे, हसदेव नदी के किनारे, बाढ़ क्षेत्र में स्थापित चल-अचल सम्पत्ति सुरक्षित स्थानों पर ले जायें। खनिज खदान ठेकेदार, औद्योगिक इकाईयां, संस्थानों आदि को भी सूचित कर दिया गया है। अकस्मात बाढ़ से होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति के लिए जल संसाधन विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

सेवा सेतु : छात्रा संजना को मिला जाति प्रमाण पत्र

सूरजपुर। जिले के भैयाथान तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत करोंदामूड़ा निवासी नवानंद ने अपनी पुत्री कुमारी संजना का जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन किया। आवेदन के कुछ ही दिनों बाद उन्हें जाति प्रमाण पत्र सहजता से प्राप्त हो गया। नवानंद ने बताया कि पहले जाति सहित अन्य आवश्यक प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लोगों को संबंधित कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे। इसमें समय और मेहनत दोनों लगते थे। लेकिन सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन की प्रक्रिया सरल और सुविधाजनक हो गई है। उन्हें प्रमाण पत्र बनवाने के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। जाति प्रमाण पत्र मिलने से अब उनकी पुत्री संजना की शिक्षा से जुड़ी आवश्यक प्रक्रियाएं आसानी से पूरी हो सकेंगी और उसकी शैक्षणिक गतिविधियों में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी।

गंगरेल के जंगल में गंभीर रूप से जख्मी मिला विशाल अजगर, वन विभाग की टीम ने किया रेस्क्यू

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। धमतरी वन परिक्षेत्र के गंगरेल वन क्षेत्र में गंभीर रूप से घायल मिले एक भारतीय अजगर (पायथन मोलुरस) को वन विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया है। धमतरी में प्राथमिक उपचार देने के बाद अजगर को बेहतर इलाज और निरंतर निगरानी के लिए रायपुर स्थित नंदनवन जंगल सफारी भेज दिया गया है, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उसका स्वास्थ्य सुधर रहा है।

मामला 8 अगस्त का है, जब गंगरेल के जंगल में एक विशालकाय अजगर को लहूलुहान अवस्था में देखा गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने सर्प मित्र नीरज पांडेय के सहयोग से अजगर का रेस्क्यू किया और उसे सुरक्षित रूप से धमतरी वन परिक्षेत्र कार्यालय लाया गया। वन परिक्षेत्र अधिकारी, धमतरी और डिप्टी रेंजर की मौजूदगी में पशु चिकित्सक ने अजगर की चिकित्सकीय जांच की। परीक्षण के दौरान अजगर के सिर, पूंछ और

शरीर के कई हिस्सों में गहरे घाव पाए गए। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि किसी ने उस पर भारी पत्थर या किसी कठोर वस्तु से जानबूझकर हमला किया था।

डॉ. मयंक पटेल द्वारा तुरंत प्राथमिक उपचार देने और आवश्यक दवाएं प्रदान करने के बाद अजगर की स्थिति स्थिर हुई। डिप्टी रेंजर ने बताया कि अजगर के घाव गहरे हैं, इसलिए उसे उच्च स्तरीय देखभाल और निरंतर विशेषज्ञ निगरानी की आवश्यकता थी। इसी उद्देश्य से शनिवार रात को अजगर को राजधानी रायपुर के जंगल सफारी स्थानांतरित कर दिया गया, जहां वन्यजीव विशेषज्ञों की टीम उसकी रिकवरी पर नज़र बनाए हुए है।

वन विभाग ने आम नागरिकों से वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता और सतर्कता बरतने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि कोई भी घायल या भटकता हुआ वन्यजीव दिखने पर उसे नुकसान न पहुंचाएं और न ही स्वयं पकड़ने का प्रयास करें। ऐसे मामलों की सूचना तत्काल वन विभाग या स्थानीय पुलिस को दें, ताकि उन्हें बचाया जा सके।

कबीरधाम जिले के नेउर गांव में ट्रिपल उपलब्धियों का जश्न

तीन सगी बहनों ने एक साथ क्रैक किया नीट यूजी, उप मुख्यमंत्री ने घर जाकर दी बधाई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कबीरधाम जिले के नेउर गाँव की तीन प्रतिभाशाली बहनों किरण, ज्योति और सुमन महोबिया ने इस वर्ष नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नेउर गाँव पहुंच, तीनों छात्राओं से उनके घर पर मुलाकात कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने छात्राओं की माता भगवती महोबिया और पिता राम महोबिया एवं परिजनों से भी मुलाकात की तथा तीनों बेटियों की इस उपलब्धि के लिए पूरे परिवार को बधाई दी।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि एक ही परिवार की तीन बहनों का एक साथ मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सफल होना न केवल पूरे परिवार के लिए खुशी का अवसर है, बल्कि क्षेत्र और जिले के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक उदउप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि एक ही घर में रहकर तीन बहनों का एक साथ नीट जैसी कठिन परीक्षा की तैयारी करना और सफ्लता हासिल करना बड़ी उपलब्धि है।

उन्होंने कहा कि इस सफलता से जिले के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी कि नियमित मेहनत, सही दिशा और दृढ़ संकल्प के साथ बड़े लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि तीनों बहनों की सफ्लता उन विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा है, जो अपने गाँव या घर पर रहकर सीमित संसाधनों के बीच बड़े लक्ष्य की तैयारी कर रहे हैं। मुलाकात के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने तीनों छात्राओं से उनकी स्कूली पढ़ाई, नीट परीक्षा की तैयारी और आगे की काउंसलिंग प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने छात्राओं से कहा कि अब मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेकर पूरी लगन और मेहनत के साथ पढ़ाई करें तथा अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ें और माता-पिता व परिवार के सपनों को अपने कार्यों और उपलब्धियों से पूरा करें। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशी राम धुर्वे सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डॉक्टर बनकर क्षेत्र और समाज की सेवा का रखें भाव

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने छात्राओं को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉक्टर के रूप में शिक्षा पूरी करने के बाद अच्छे संस्थानों और अस्पतालों में कार्य कर अनुभव प्राप्त करें। साथ ही उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के साथ अपने क्षेत्र और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी बनाए रखें। अपनी शिक्षा और अनुभव का उपयोग जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए करने का प्रयास करें, ताकि आपकी सफ्लता का लाभ समाज और स्थानीय लोगों तक भी पहुंच सके।

घर पर ही ऑनलाइन की तैयारी, एक साथ पाई सफलता

तीनों बहनों ने घर पर रहकर ऑनलाइन कोचिंग के माध्यम से नीट परीक्षा की तैयारी की। पढ़ाई के दौरान तीनों एक-दूसरे का सहयोग करती रहीं और अपने लक्ष्य को लेकर लगातार प्रयासरत रहीं। उनकी यह उपलब्धि विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि दो बहनों ज्योति और सुमन ने अपने पहले ही प्रयास में नीट परीक्षा उत्तीर्ण की है, दोनों ने स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, बोड़ला से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की है। जबकि बड़ी बहन किरण ने अपने दूसरे प्रयास में सफलता हासिल की है। उन्होंने सरस्वती शिशु मंदिर, पांडातराई से अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी की है।

21 साल के बाद फिर से खुला मेटापारा कोरसागुड़ा का स्कूल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बीजापुर जिले में बंद पड़े स्कूलों को फिर से शुरू कर बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सशक्त नेतृत्व और वन एवं बीजापुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार लगातार अभियान सफल हो रहा है। इसी कड़ी में प्राथमिक शाला मेटापारा, कोरसागुड़ा का 21 वर्षों बाद पुनः संचालन शुरू किया गया।

कलेक्टर बीजापुर विश्वदीप की पहल से स्कूल खुलने के साथ ही गांव में खुशियों का माहौल बन गया। विद्यालय में प्रवेश लेने वाले 25 बच्चों का फूलमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। बच्चों को स्लेट, पुस्तकें और पेंसिल भी वितरित की गईं, जिससे उनके शैक्षणिक जीवन की नई शुरुआत हुई।

लंबे समय बाद स्कूल खुलने से ग्रामीणों और अभिभावकों में उत्साह देखा गया। जिला पंचायत सदस्य शंकरैया माड़वी ने बच्चों का स्वागत किया।

जिला शिक्षा अधिकारी बीजापुर राजेश पांडे ने बताया कि राज्य शासन और जिला प्रशासन के विशेष प्रयासों से वर्तमान शिक्षा सत्र में बीजापुर जिले के 38 बंद स्कूलों का पुनः संचालन किया जा चुका है। स्थानीय संसाधनों और शिक्षादूतों की मदद से पढ़ाई शुरू कराई गई है।

मेटापारा कोरसागुड़ा स्कूल का पुनः संचालन केवल एक विद्यालय खुलने की घटना नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण है कि जिला प्रशासन की सक्रिय पहल से दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों तक शिक्षा की रोशनी एक बार फिर पहुंच रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950